

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 289 | गुवाहाटी | सोमवार, 20 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपये | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल में हर ओर है डर का माहौल : डॉ. शर्मा **पेज 2**

ममता बनर्जी का हिंदुओं को बांटने का षड्यंत्र : डॉ. शर्मा **पेज 3**

अयोध्या में भगवान राम के बाद अब मथुरा में श्रीकृष्ण मुस्कराएंगे : डॉ. मोहन यादव **पेज 5**

ये दिग्गज खिलाड़ी कभी नहीं जीत पाए टी-20 वर्ल्ड कप... **पेज 7**

असम दस मिनट में शाहजहां जैसे लोगों से निपट सकता है : सीएम हिमंत

ममता दीदी जैसी नेताओं के कारण देश में वह लोग पैदा हो रहे हैं

कोलकाता/गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रामकृष्ण मिशन पर अपनी टिप्पणियों के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की। मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने बनर्जी पर निजी हितों के लिए बंगाल के विकास की उम्मीदें और धार्मिक पूर्वाग्रह प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि असम सरकार शाहजहां जैसे लोगों से 10 मिनट में निपट सकती है। और हम कैसे निपटते हैं आप असम में काल करके पूछ सकते हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह कहते हुए शुरुआत की कि ममता बनर्जी को बंगाल को विकसित करने के लिए आशीर्वाद दिया गया था। लेकिन उन्होंने अपनी सारी शक्ति शाहजहां की भलाई के लिए लगा दी। इसलिए, जब ममता जी ने कहा कि आज साधु और संन्यासी भी राजनीति कर रहे हैं, मुझे लगता है इस बयान के बाद से ममता जी का पतन शुरू हो गया है। शर्मा ने मीडिया से साधुओं और संन्यासियों के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उन्हें पैसा चाहिए होता तो वे साधु, संन्यासी क्यों बनते? बनर्जी के कथित पूर्वाग्रह को चुनौती देते हुए शर्मा ने कहा कि ममता से पूछें कि क्या वह इस्लाम - **शेष पृष्ठ दो पर**



नरेंद्र मोदी हर अत्याचार का हिसाब लेंगे : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि 4 जून के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल के संदेशखाली से लेकर तमाम अत्याचारों का हिसाब लेंगे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने केंद्र से मिले

धन को बंगाली लोगों के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि शाहजहांओं की तुष्टीकरण के लिए खर्च कर दिया। डॉ. शर्मा आज पश्चिम बंगाल में एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से - **शेष पृष्ठ दो पर**

विनाश काले विपरीत बुद्धि : प्रदीपानंद महाराज

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए चुनाव प्रचार के आखिरी दिन शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत सेवाश्रम संघ, राम कृष्ण मिशन और इस्कॉन जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि इन संगठनों के कुछ साधु चुनाव में भाजपा को मदद कर रहे हैं। भारत सेवाश्रम के चर्चित संन्यासी प्रदीपानंद महाराज उर्फ कार्तिक महाराज का नाम लेकर ममता ने कहा कि वह टीएमसी को धमकी दे रहे हैं। इस पर रविवार को कार्तिक महाराज ने प्रतिक्रिया दी है। हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि विनाश काले, विपरीत बुद्धि हो जाती है। अब ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के विनाश का समय आ गया है, इसलिए साधु-संन्यासियों को निशाना बना रही हैं। कार्तिक महाराज ने कहा कि पिछले साल गंगासागर में देशभर से आए साधु-संन्यासियों को जिस बर्बर तरीके से पीटा गया था, उसे पूरे देश ने देखा था। अब यहां भागवत कार्य में लगे संन्यासियों को सीधे तौर पर सब्जी की मुख्यमंत्री को - **शेष पृष्ठ दो पर**

आईपीएल : बारिश के कारण मैच बाधित, दर्शक निराश



गुवाहाटी। गुवाहाटी का बरसापाड़ा स्टेडियम अपने नाम के अनुरूप काम कर रहा है क्योंकि शहर में भारी बारिश हो रही है, जिससे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच बहुप्रतीक्षित आईपीएल मुकाबले में देरी होने का खतरा है, या फिर कहीं कि मैच न होने की संभावना है। खबर लिखे जाने तक बारिश के मैच शुरू नहीं हो पाई है। उधर बारिश जारी रहने के कारण ग्राउंड स्टाफ को चादरें खींचते हुए देखा जा सकता है, जिससे मैच के देरी से शुरू होने की चिंता बढ़ गई है, जो मूल रूप से शाम 7:30 बजे के लिए निर्धारित था। जबकि शहर में क्रिकेट का बुखार चढ़ा हुआ है, प्रशंसक निराश हो गए क्योंकि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की उपस्थिति की अफवाहें महज अटकलें निकलीं। बॉलीवुड के बादशाह, जो कोलकाता फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, आज रात बरसापाड़ा स्टेडियम में मौजूद नहीं रहेंगे। हालांकि,

इससे पहले आज राजस्थान रॉयल्स के डेकोरेशन हेड राजीव खन्ना ने प्रशंसकों को आश्वासन दिया था कि बारिश होने पर भी मैच जारी रहेगा। खन्ना ने पिच की पानी सोखने की क्षमता की सराहना करते हुए इसे अन्य आयोजन स्थलों से बेहतर बताया। उन्होंने अंतराल के दौरान असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) द्वारा एक विशेष लेजर शो और झोना प्रदर्शन का भी संकेत दिया था। इस बीच, अधिकारियों ने शहर में सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कई यातायात दिशानिर्देश जारी किए हैं। क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कों और राजमार्गों पर भारी वाणिज्यिक वाहनों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसे-जैसे बारिश जारी है और प्रत्याशा बढ़ती जा रही है, गुवाहाटी में क्रिकेट प्रेमी उन्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ होगा और दो आईपीएल दिग्गजों के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

अधीर रंजन को भाजपा ने दिया पार्टी में शामिल होने का न्योता



कोलकाता। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के बारे में पार्टी आलाकमान के कड़वे बोल पर राज्य की सियासत गर्मा गई है। अब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने अधीर चौधरी को भाजपा में शामिल होने का न्योता दिया है। सुकांत ने कहा है कि अगर आप तुणमूल का विरोध करना चाहते हैं तो यह कांग्रेस से नहीं किया जा सकता। कांग्रेस छोड़ देंगे चाहिए। शनिवार को उलुबेरिया में चुनाव प्रचार करते हुए सुकांत मजूमदार ने कहा कि मैं अधीर चौधरी को बताना चाहता हूँ कि कांग्रेस तुणमूल और ममता बनर्जी से नहीं लड़ सकती। अगर आप ममता बनर्जी से लड़ना चाहते हैं तो सही जगह चुनें। आप जिस घर में हैं वहां विभीषण ज्यादा हैं। विभीषण - **शेष पृष्ठ दो पर**

भारतीयों को बिना वीजा एंट्री देगा रूस

नई दिल्ली। भारत और रूस की दोस्ती जग जाहिर है। इसमें एक और अध्याय जोड़ते हुए रूस ने भारतीयों के लिए एक खास प्लान का ऐलान किया है। भारत और रूस दोनों देशों के बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए वीजा मुक्त समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। इस द्विपक्षीय समझौते पर रूस और भारत के बीच परामर्श जून में शुरू होगा। एक रूसी मंत्री ने कहा है कि मॉस्को और नई दिल्ली वीजा-मुक्त समूह पर्यटक आदान-प्रदान शुरू करके अपने पर्यटन



बातचीत अंतिम चरण में है। यही नहीं कोई उदात्त है, यह कि रूस ने चीन और ईरान के साथ पहले से स्थापित वीजा-मुक्त पर्यटक आदान-प्रदान की सफलता को दोहराने की योजना बनाई है। रूस - **शेष पृष्ठ दो पर**

संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। एक सूत्र ने रूसी आर्थिक विकास मंत्रालय के बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग और विशेष परियोजना विभाग की निदेशक निकिता कोंद्रतयेव के हवाले से कहा कि भारत के साथ मुक्त वीजा समझौते पर

प्रयागराज में राहुल और अखिलेश की सभा में मची भगदड़, कई घायल

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा में हंगामा हुआ है। जनसभा में भगदड़ मच गई है। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए हैं। कई लोगों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। जानकारी के अनुसार, पड़िला महादेव फाफामऊ में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का हजूम उन्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ होगा और सभा मुखिया अखिलेश यादव को देखने के लिए भीड़ - **शेष पृष्ठ दो पर**



मां-माटी और मानुष का भक्षण कर रही टीएमसी : नरेंद्र मोदी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के पुरलिया में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि तुणमूल ये कहकर राजनीति में आई थी कि मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी। आज तुणमूल मां, माटी और मानुष का ही भक्षण कर रही है। रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम और इस्कॉन के खिलाफ तुणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं प्रदेश की मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी के हालिया बयान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि अब तुणमूल ने तुष्टीकरण की सारी हद्दें पार कर दी हैं। इन पवित्र संस्थाओं के खिलाफ अफवाह फैलाना ममता बनर्जी की मानसिकता को उजागर करता है। मोदी ने कहा कि बंगाल की महिलाओं का भरोसा तुणमूल कांग्रेस से टूट गया है। संदेशखाली में जो पाप हुआ है, उसने पूरे बंगाल की बहनों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। एससी-एसटी परिवार की बहनों - **शेष पृष्ठ दो पर**

ईरानी राष्ट्रपति को ले जा रहा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर को रविवार को हार्ड लैंडिंग का सामना करना पड़ा। ईरानी राज्य टेलीविजन ने इस घटना की जानकारी दी। रायसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। स्टेट टीवी ने घटना के क्षेत्र को ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 600 किलोमीटर (375 मील) उत्तर-पश्चिम में अजरबैजान राष्ट्र की सीमा पर स्थित शहर जोल्फा के पास बताया। रायसी रविवार तड़के - **शेष पृष्ठ दो पर**

आरक्षण को कोई हाथ भी नहीं लगा सकता : अमित शाह

जौनपुर (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक चुनावी जनसभा में फिर कहा कि आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। कांग्रेस झूठ फैला रही है कि मोदी आएंगे तो आरक्षण हटा देंगे। उन्होंने कहा जब तक भाजपा का एक भी सांसद है, तब तक आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता है। दस वर्षों - **शेष पृष्ठ दो पर**



आरक्षण को हटाने के लिए नहीं किया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने जौनपुर जिले के मडियाहूँ स्थित रामलीला ग्राउंड की जनसभा में कहा कि चार चरण के मतदान हो चुके हैं। इन चार चरणों में इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है और मोदी पूर्ण बहुमत प्राप्त कर तेज गति से 400 पार करने की ओर अग्रसर हैं। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि इस देश को दो टुकड़े में बांटना चाहिए। साउथ - **शेष पृष्ठ दो पर**

न्यूज गैलरी

सोने की तस्करी को बीएसएफ ने किया नाकाम

अगरतला। त्रिपुरा राज्य में सीमा पार तस्करी के खतरे के खिलाफ लड़ाई में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को एक तस्करी को पकड़ा और 36.6 लाख रुपये के चार सोने के विस्कुट - **शेष पृष्ठ दो पर**

कोलकाता में खड़गो की तस्वीर पर पोती गई कालिख

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की तस्वीर पर कालिख देखी गई है। पोस्टर में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की तस्वीर है। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गो की तस्वीर पर स्याही पोती गई है। राजनीतिक हलकों में इस घटना को कांग्रेस में अंदरूनी कलह का नतीजा माना जा रहा है। दूसरी तरफ - **शेष पृष्ठ दो पर**

हिंदू महिला संपत्ति के पूर्ण स्वामित्व का दावा कर सकती है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि हिन्दू महिला का हिन्दू अविभाजित परिवार की संपत्ति में पूर्ण स्वामित्व का दावा करने के लिए संपत्ति पर उसका कब्जा होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा है कि हिन्दू महिला के हिन्दू उत्तराधिकार कानून की धारा 14 (1) में हिन्दू अविभाजित परिवार की संपत्ति पर पूर्ण स्वामित्व का दावा करने के लिए न सिर्फ संपत्ति पर महिला का कब्जा होना जरूरी है बल्कि उसने वह संपत्ति अर्जित भी की हो। अदालत ने कहा कि संपत्ति का अर्जन या अधिग्रहण या तो विरासत से हुआ हो या विभाजन के जरिए अथवा भरण पोषण के लिए मिली हो या भरण पोषण की बकाया राशि, या उपहार



या अपने कौशल व मेहनत से अर्जित की हो या खरीदी हो अथवा किसी और तरीके से - **शेष पृष्ठ दो पर**

अविभाजित परिवार की संपत्ति पर कभी भी कब्जा न रहने के तथ्य को देखते हुए हिन्दू विधवा के दत्तक पुत्र का संपत्ति पर पूर्ण अधिकार का दावा स्वीकार करने वाला राजस्थान हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले के तथ्यों को देखने से स्पष्ट है कि नंदकुवरबाई (हिन्दू विधवा) का विवाहित संपत्ति पर कभी कब्जा नहीं रहा। उसका संपत्ति पर मालिकाना हक और कब्जे की मांग करने वाला दीवानी मुकदमा अदालत से पहले ही खारिज हो चुका था और दीवानी अदालत के उस फैसले को नंदकुवरबाई ने कभी चुनौती नहीं दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि हिन्दू उत्तराधिकार कानून की - **शेष पृष्ठ दो पर**

फारूक अब्दुल्ला की रैली में चाकू से हमला, तीन कार्यकर्ता घायल

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर में रविवार को एक चुनावी रैली में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चाकू से किए गए हमले में नेशनल काँग्रेस (एनसी) के तीन कार्यकर्ता घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला मेंढर में अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट के उम्मीदवार मियां अल्लाफ के समर्थन में पार्टी द्वारा आयोजित रैली में उपस्थित थे। रैली बिना किसी व्यवधान के जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान किसी मुद्दे पर दो समूहों के बीच झड़प हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हाथापाई का फायदा उठाकर हमलावर भागने में सफल रहे। उन्होंने बताया - **शेष पृष्ठ दो पर**



CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE
Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivaling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नामघर में चोरी

बरपेटा (हिस)। बरपेटा जिले के सरभोग के कामार गांव स्थित ऐतिहासिक गरखिया गोसाईं नामघर (पूजा स्थल) में चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला रविवार की सुबह सामने आया है। नाम घर परिचालन समिति ने रविवार को बताया कि बीती रात हल्की-सी बरसात के दौरान चोर नामघर में प्रवेश कर भत्तों द्वारा भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाए गए 20 सोने के फूल और दान में दिद पैसे चुरा कर फरार हो गए। घटना के संबंध में सत्र परिचालन समिति द्वारा सरभोग पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

बंगाल में हर ओर है डर का माहौल : डॉ. शर्मा

कोलकाता (हिस.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वा शर्मा ने रविवार को संदेशखाली में हुई घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में व्यापक भय का माहौल बना हुआ है। इसके बाद पश्चिम बंगाल के बारासात में एक चुनावी रैली में डॉ. शर्मा ने कहा कि पूरे राज्य में डर का माहौल है। किसी और सबूत की आवश्यकता नहीं है। यहां सिर्फ एक घंटा बिताने से संदेशखाली जैसी गंभीर स्थिति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि बंगाल आने के बाद दिख रहा है कि डर का माहौल है और सबूत की जरूरत नहीं है। जो भी यहां



एक घंटा बिताएगा, उसे पता चल जाएगा कि संदेशखाली की स्थिति क्या है। संदेशखाली की छवि पश्चिम बंगाल के लिए अच्छी नहीं है। असम के सीएम हिमंत विश्वा शर्मा ने कहा कि तुणमूल और ममता बनर्जी इसे नहीं समझते हैं। उन्होंने सतारूढ़

तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आलोचना करते हुए कहा कि संदेशखाली की नकारात्मक छवि बंगाल की खराब कानून व्यवस्था की ओर इशारा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यहां के पीड़ित लोगों की कहानियां सुनकर बहुत दुख हुआ। घटनाओं की गंभीरता को नकारा जा सकता।

सर्वे : कनाडा में गिरी टूडो की साख!

पहले तक इन समुदायों की पहली पसंद टूडो बने हुए थे। सर्वे के मुताबिक इन धार्मिक समुदायों की नाराजगी टूडो को चुनावों में भारी पड़ सकती है। इन समुदायों के बीच लोकप्रियता घटने को टूडो के इजराइल हमस युद्ध पर प्रवासियों के बीच अपनी बात न पहुंचा पाने के एक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं, ऐसे में इस स्थिति में टूडो के लिए फिर से सतर्क होना में लौटने में मुश्किल हो सकती है। सीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वे में 42 यहूदी मतदाताओं के लिए कंजर्वेटिव और 33 प्रतिशत के बीच लिबरल पार्टी पहली पसंद है जबकि टूडो की पार्टी कनाडाई मुसलमानों के बीच एनडीपी से 41 के

मुकाबले 31 प्रतिशत से पीछे है। कनाडा में 2015 में मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन ने प्रधान मंत्री जस्टिन टूडो को बहुमत वाली सरकार बनाने में मदद की थी लेकिन गजा में इजरायल और हमस के बीच युद्ध और उससे पैदा मानवीय संकट ने राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। मुसलमानों, यहूदियों के अलावा टूडो की पार्टी हिन्दुओं और सिखों में भी समर्थन की कमी से जूझ रही है। विपक्षी नेता पिथरें पोइलिवरे और कंजर्वेटिव पार्टी ईसाईयों, हिंदुओं और सिखों की पहली पसंद हैं। सर्वे के मुताबिक 53 फीसदी हिंदुओं और 54 फीसदी सिखों ने कंजर्वेटिव पार्टी को पसंद किया है।

पृष्ठ एक का शेष

महाराज पर आरोप लगाया कि उन्होंने वह टीएमसी एजेंट्स को बृथ में नहीं चुसने देने की धमकी देते हैं। उन्होंने रामकृष्ण मिशन पर भी टिप्पणी की। ममता का कहना था कि जब चुनाव आता है तो उन्हें दिल्ली से निदेश मिलते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि वह कार्तिक महाराज को संत नहीं मानती हैं क्योंकि वह सीधे तौर पर राजनीति में शामिल हो गए हैं। ममता बनर्जी ने कहा, मैं भारत सेवाश्रम संघ का बहुत सम्मान करती थी। मैंने रामकृष्ण मिशन को उस समय मदद की जब सीपीएम ने फूड सप्लाई रोक दी थी और अधिकारों पर रोक लगा दी गई थी। मैंने 700 एकड़ की जमीन इस्कॉन को दी। ममता ने कहा कि अगर मैं न होती तो आज स्वामी विवेकानंद का घर ना बचा होता। ममता बनर्जी के इस बयान के बारे में प्रतिक्रिया के लिए रामकृष्ण मिशन के संबंधित अधिकारियों से भी संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर इस पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। एक सदस्य ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि मिशन राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहता है, इसलिए मिशन के साधु-संन्यासी वोट तक नहीं डालते। इस्कॉन के प्रतिनिधि ने भी इस पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति नहीं करना। उल्लेखनीय है कि स्वामी प्रदीपानंद की अध्यक्षता में *एक लाख कठे गीता पाठ* (एक लाख लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ) का आयोजन पिछले साल दिसंबर में कोलकाता में हुआ था, इसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी।

अधीर रंजन को ...

का घर छोड़ें, राम के घर आएँ। गौरतलब है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अधीर को साफ संदेश दिया कि ममता आईएनडीआईए गठबंधन का हिस्सा हैं। अधीर चौधरी इसे स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं। बताते चलें कि अधीर चौधरी ने मुख्यमंत्री व तुणमूल कांग्रेस सुप्रीमों के साथ पार्टी के चुनाव बाद संबंधों के मुद्दे पर आलाकमान के खिलाफ वस्तुत: विद्रोह कर दिया है। उसकी जड़ में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लखनऊ में मीडियाकर्मियों को दिया गया वह बयान है, जिसमें उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि अधीर चौधरी चुनाव के बाद सरकार के गठन में क्या होगा या नहीं, यह तय करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। इसका फैसला हाईकमान करेगा। लोकसभा के निवर्तमान कांग्रेस नेता को संबोधित करते हुए खड़गे ने चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि या तो उन्हें आलाकमान की बात माननी होगी, उनके फैसले का पालन करना होगा, या फिर बाहर जाना होगा। यह सुनकर अधीर ने कहा था कि मैं भी कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य हूं। मैं ही हाईकमान का व्यक्ति हूं। उनकी बातों से साफ है कि वे खुद को और खड़गे को एक समान मान रहे हैं। कुणाल तुणमूल नेता कुणाल घोष ने कहा हा कि यह कठोर शब्द पहले ही कहा जाना चाहिए था। अधीर चौधरी के नेतृत्व वाली राज्य कांग्रेस वास्तव में तुणमूल कांग्रेस पर हमला करके, ममता बनर्जी पर हमला करके भाजपा को आक्सीजन दे रही है। कांग्रेस आलाकमान को बहुत पहले ही क्षेत्रीय नेताओं को कड़ा संदेश भेज देना चाहिए था। बहुत देर से समझ आया। दरअसल, कांग्रेस के अखिल भारतीय अध्यक्ष खड़गे के संदेश के बाद अधीर चौधरी के राजनीतिक भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। भाजपा भी अधीर को पार्टी में खींचने का मौका भुनाना चाहती है। वहीं, तुणमूल को यह रहे है कि अब तक वह अधीर के बारे जो शिकायतें सुन रही थीं, वे साबित हो चुकी हैं। हालांकि, अधीर पहले ही कह चुके हैं कि अगर वह लोकसभा में हार गए तो राजनीति छोड़ देंगे और बादाम बेचेंगे। इसलिए उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में कोई भी चर्चा चार जून के बाद की जानी चाहिए।

भारतीयों को बिना...

और चीन ने पिछले साल 1 अप्रैट्स को अपना वीजा-मुक्त समूह पर्यटक आदान-प्रदान शुरू किया था। इसी तरह, रूस और ईरान के बीच वीजा-मुक्त समूह पर्यटक आदान-प्रदान उसी तारीख को शुरू हुआ, जिससे पर्यटन सहयोग के एक नए युग की शुरुआत हुई।

प्रयागराज में राहुल ...

काबू हो गई। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए। कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए। इसके बाद राहुल गांधी और अखिलेश नाराज हो गए। कार्यकर्ताओं की इस हरकत से नाराज होकर दोनों नेता बिना कुछ बोले ही चले गए। दोनों नेता मंच से चले गए। दोनों नेता हेलीकॉप्टर में बैठकर यहां से रवाना हो गए। प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में पड़िला में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मोर्य की जनसभा में रविवार की दोपहर भगदड़ मच गई। वहां मौजूद सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने मंच के सामने डी की बैरिकेटिंग तोड़ दी। वहां कई लोग घायल भी हुए। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता मंच पर भी पहुंच गए। वहां मंच पर मौजूद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी असहज हो गए। वह चुपचाप मंच पर लगी कुर्सी में बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी वहां पहुंचे। मंच के सामने भीड़ जमा होने से दोनों नेता तकरीबन 15 मिनट तक बैठे रहे। फिर आपस में बातचीत कर दोनों वहां से चलते बने। पड़िला महादेव मंदिर के पास एक आम के बाग में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मोर्य के समर्थन में सभा आयोजित थी। सभा स्थल पर सुबह से ही भीड़ आनी शुरू हो गई। दोपहर 1.20 बजे सबसे पहले अखिलेश यादव का हेलीकॉप्टर वहां पहुंचा। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता पुलिस का घेरा तोड़ हेलीपैड तक पहुंचना चाह रहे थे, लेकिन बाद में पुलिस ने वहां से सभी को खदेड़ दिया। वहीं अखिलेश जब तक मंच पर पहुंचते तब तक वहां मौजूद सैकड़ों सपा समर्थकों ने मंच के

लोस चुनाव के 5वें चरण में 49 सीटों पर आज वोटिंग

नई दिल्ली (हिस.)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आठ रण्यों की 49 सीटों पर सोमवार को मतदान होगा। मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चरण में 8.95 करोड़ मतदाताओं के लिए 94 हजार से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान सुबह 07 से शाम 06 बजे तक चलेगा। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14, बिहार की 05, झारखंड की 03, महाराष्ट्र की 13, ओडिशा की 05, पश्चिम बंगाल की 07, जम्मू-कश्मीर की 01 और लद्दाख की 01 सीट पर मतदान होगा। इसके साथ ही ओडिशा विधानसभा की 35 सीटों पर भी मतदान होगा। इस चरण के लिए चुनाव प्रचार शनिवार शाम को समाप्त हो गया था। इस चरण में 49 सीटों पर कुल 695 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक मतदान आरामदायक और सुरक्षित वातावरण में हो, मतदान केंद्र पर्याप्त छ्छा, पीने के पानी, पैप, शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं के साथ मतदाताओं के स्वागत के लिए तैयार है। संबंधित सीईओ/डीईओ और राज्य मशीनरी को उन क्षेत्रों में गर्म मौसम की स्थिति का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त उपाय करने की सलाह दी गई है,

जहां इसका पूर्वानुमान है। मतदान दलों को ईवीएम और चुनाव सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया है। इन 49 क्षेत्रों में से सामान्य के लिए 39 और तीन एसटी तथा सात एससी के लिए आरक्षित हैं। वहीं ओडिशा में 35 विधानसभा क्षेत्रों में सामान्य के लिए 21 और 08 एसटी तथा 06 एससी के लिए आरक्षित हैं। इस चरण में 8.95 करोड़ से अधिक मतदाताओं में 4.69 करोड़ पुरुष, 4.26 करोड़ महिला और 5409 तृतीय लिंग मतदाता हैं। 85 वर्ष से अधिक आयु के 7.81 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता और 100 वर्ष से अधिक आयु के 24,792 मतदाता और 7.03 लाख दिव्यांग मतदाता हैं। इन्हें अपने घर से आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया गया है।मतदान के लिए 17 विशेष रेलगाड़ियां और 508 हेलीकॉप्टर उड़ानें मतदान और सुरक्षाकर्मियों को ले जाने के लिए लगाई गईं। 153 पर्यवेक्षक (55 सामान्य पर्यवेक्षक, 30 पुलिस पर्यवेक्षक, 68 वय्य पर्यवेक्षक) मतदान से कुछ दिन पहले ही अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। वे अत्यधिक सतर्कता बरतने के लिए आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करते हैं।

इसके अतिरिक्त कुछ रण्यों में विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। मतदाताओं को किसी भी प्रकार के प्रलोभन से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिए कुल 2000 फ्लाइंग स्क्वाड, 2105 स्टेटिक निगरानी टीमें, 881 वीडियो निगरानी टीमें और 502 वीडियो देखने वाली टीमें चौबीसों घंटे निगरानी रख रही हैं। कुल 216 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियां और 565 अंतरराज्यीय सीमा चौकियां शराब, ड्रग्स, नकदी और मुप्त वस्तुओं के किसी भी अवैध प्रवाह पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। इस चरण में बिहार की सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सारण और हाजीपुर, झारखंड की चतरा, कोडरमा और हजारीबाग, महाराष्ट्र की धुले, इंदोरी, नासिक, पालघर, भिवंडी, कल्याण, ठाणे, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-पश्चिम, मुंबई उत्तर-पूर्व, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई दक्षिण-मध्य और मुंबई दक्षिण, ओडिशा की बरगड़, सुंदरगढ़, बोलांगीर, कंफमाल और अरका, उत्तर प्रदेश की मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कोशंबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंड, पश्चिम बंगाल की बर्नाग, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेरिया, श्रीरामपुर, हुगली और आरामबाग।

आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख

बिश्वनथ (हिस)। गहपुर के बिलतिया गोपचार में लग्गी भीषण आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग प्रदीप गोहाई नामक व्यक्ति के घर में लगी। पुलिस ने रविवार को बताया कि जिस घर में आग लगी उसमें माइक्रोसेट, साउंड सिस्टम समेत काफी सारा सामान था। प्रदीप गोहाई शादी, पार्टी आदि के लिए साउंड सिस्टम किराए पर देकर किसी तरह परिवार का खर्च चला रहा था।

लापता छात्र का शव बरामद

ग्वालपाड़ा (हिस)। ग्वालपाड़ा जिले के धूपधारा थाना अंतर्गत पिपलीबाड़ी इलाके में नदी से लापता छात्र का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि शिशुबाड़ी गांव के तमीज अली का 8 वर्षीय पुत्र शहीदुल अली शनिवार को विद्यालय से निकला लेकिन अपने घर नहीं पहुंचा। घर वालों ने शहीदुल की तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने नदी के किनारे एक बच्चे को शव देखा, जिसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने लापता बच्चे के परिजनों को दिया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर परिजन और धूपधारा पुलिस चौकी की एक टीम पहुंची। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं शव की पहचान परिजनों ने शहीदुल अली के रूप में की। वहीं, मृतक के परिजनों ने शहीदुल की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस इस संबंध में मृतक के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पास डी पर लगी बैरिकेटिंग तोड़ दी। अचानक सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मंच तक पहुंच गए। इस दौरान अखिलेश के साथ आए सुरक्षा कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया। कुछ लोग जो मंच पर चढ़ गए थे, उन्हें वहां से किसी तरह उतारा गया। कार्यकर्ता डी घेरे से हटने को तैयार ही नहीं हुए। वहां सपा के साथ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कई बार हाथ जोड़कर वहां मौजूद भीड़ को पीछे हटाने के लिए कहा, लेकिन कोई टस से मस नहीं हुआ। इस बीच वहां राहुल गांधी की इंद्रो हुई तो कार्यकर्ता और उत्साहित हो गए। डी घेरे पर मौजूद लोगों को हटाने के लिए वहां सुरक्षा कर्मियों ने डंडे भी चलाए, लेकिन मंच पर मौजूद नेताओं ने राहुल और अखिलेश की मौजूदगी में लोगों पर डंडा चलाने से मना कर दिया।

मां-माटी और ...

को तो तुणमूल के लोग इंसान ही नहीं समझते। अपने शाहजहां को बचाने के लिए तुणमूल के लोग संदेशखाली की बहनों को ही दोषी ठहरा रहे हैं। उनके चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं। जैसी भाषा ये लोग उनके लिए बोल रहे हैं, इसके जवाब में बंगाल की हर बेटो अपने वोट से तुणमूल को तबाह कर देगी। मोदी ने कहा कि तुणमूल और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस नेताओं के घर भारी मात्रा में पैसे मिले हैं। इसी तरह तुणमूल के नेताओं के पास भी पैसों की गड़बुनियां हैं। वे मोदी को गाली देते हैं, लेकिन क्या मैंने कभी आपसे कुछ छिपाने की कोशिश की है? मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों के तरक्कश में जितने तीर थे, वे चला चुके हैं, लेकिन जनता जनार्दन के सुरक्षा कवच के आगे इनका हर तीर, हर साजिश नाकाम साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे, लेकिन आज इंडी गठबंधन वाले धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। कर्नाटक में इन लोगों ने ओबीसी कोटे का आरक्षण मुसलमानों को दे दिया, तुणमूल इस साजिश में कंधे से कंधा मिलाकर कांग्रेस के साथ खड़ी है।

ईरानी राष्ट्रपति को ...

अजरबैजान के राष्ट्रपति इह्राम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने के लिए अजरबैजान में थे। यह तीसरा बांध है जिसे दोनों देशों ने अरारस नदी पर बनाया है। खबरों के मुताबिक, हार्ड लैंडिंग की घटना के बाद बचावकर्मों राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी सहित एक दल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, घटना के दौरान हेलीकॉप्टर के साथ क्या हुआ, घटना में कोई हताहत है कि नहीं, उसमें कौन-कौन सवार था, इस पर तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना के बाद लोगों में समाचार एजेंसियों ने अलग-अलग स्पष्टीकरण पेश किए हैं। बता दें कि 63 वर्षीय रायसी एक कट्टरपंथी हैं, जिन्होंने पूर्व में देश की न्यायपालिका का नेतृत्व किया था। उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के शिष्य के रूप में देखा जाता है और कुछ विश्लेषकों ने सुझाव दिया है कि वह 85 वर्षीय नेता की मृत्यु या पद से इस्तीफा देने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं।

आरक्षण को कोई ...

इंडिया और नार्थ इंडिया। एक बार देश का बंटवारा करके कांग्रेस का पेट नहीं भरा, जो फिर से देश को बांटना चाहते हैं। भाजपा इस देश का बंटवारा कभी नहीं होने देगी। शाह ने मछलीशोरह लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बीपी सरदेजो को अधिक से अधिक वोटों से जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि कश्मीर में तिरंगा लहराने के लिए पास लेकर जाना पड़ता था। मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने का काम किया। दस साल तक मनमोहन सरकार थी। उस समय अखिलिया, मालिया, जमालिया बम धमाके करते थे। भाजपा सरकार में जब पाकिस्तान ने गलती की तो भारत को सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर जवाब दिया। इंडी गठबंधन बताए कि दस साल की कांग्रेस सरकार में उत्तर प्रदेश को क्या मिला। अमित शाह ने कहा कि वो देशभर में घूम रहे हैं, पूरे देश में मोदी की लहर है। विपक्षी गठबंधन के पास प्रधानमंत्री पद के लिए कोई चेहरा नहीं है जबकि भाजपा के पास मोदी के रूप प्रभावी एवं सशक्त नेतृत्व है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक और तेलंगाना में मुस्लिमों को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया। कांग्रेस हमेशा से दलित विरोधी पार्टी रही है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन से जुड़े स्थलों पर स्मारक बनाने का काम भाजपा ने किया।

हिंदू महिला संपत्ति ...

धारा 14(1) के तहत संपत्ति पर कब्जा होने की जरूरी शर्त पूरी नहीं होती। ऐसे में नंदकुंवरबाई के दत्तक पुत्र कैलाश चंद का विरासत के तौर पर संपत्ति पर पूर्ण स्वामित्व का दावा करते हुए विभाजन की मांग वाला रेवेंयू वाद (दाखिल मुकदमा) सुनवाई योग्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ पूर्व फैसलों में तय की गई कानूनी व्यवस्था और विधायी प्रविधानों का हवाला देते हुए कहा कि हाईकोर्ट की एकल पीठ और खंडपीठ के फैसलों में इस बात पर विचार नहीं किया गया है कि उस संपत्ति पर न तो कैलाश चंद (दत्तक पुत्र) और न ही उनसे पहले वालों (कैलाश चंद्र को लेने वाली हिन्दू विधवा नंदकुंवरबाई) का उस संपत्ति पर कभी कोई कब्जा रहा। न ही संपत्ति तय तरीकों से अर्जित की गई थी। इन तथ्यों को देखते हुए हाई कोर्ट का आदेश बना रहने लायक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मुकटलाल की याँचिका स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया है। चचेरे भाई मुकटलाल ने कैलाशचंद के संपत्ति पर पूर्ण अधिकार के दावे का यह कहते हुए विरोध किया था कि उन्हें गोद लेने वाली मां का संपत्ति पर कभी भी कब्जा नहीं रहा जो कि धारा

14(1) के तहत पूर्ण स्वामित्व का दावा करने के लिए पहली जरूरी शर्त है और इसलिए हाईकोर्ट का फैसला गलत है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के सामने नंदकुंवर बाई के कानूनी वारिस कैलाश चंद के संपत्ति पर अधिकार के दावे का मुद्दा विचारणीय था। जिसमें कैलाश चंद ने हिन्दू अविभाजित परिवार की संपत्ति पर धारा 14(1) के तहत नंदकुंवरबाई के उत्तराधिकार को लागू करने के लिए रेवेंयू कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया था। मामले के मुताबिक, किशन लाल के दो बच्चे थे मंगीलाल और माधोलाल। मंगीलाल की 1912 में मृत्यु हो गई उसका एक बेटा था कुंवरलाल जबकि माधोलाल का कोई बच्चा नहीं था और माधोलाल को 1929 में मृत्यु हो गई। माधोलाल की पत्नी नंदकुंवरबाई थी। नंदकुंवरबाई ने पति की मृत्यु के तीस साल बाद 1959 में कैलाश चंद को गोद लिया था। कुंवरलाल ने 1949 में वसीयत के जरिये परिवार की संपत्ति अपने बेटे मुकट लाल को दे दी थी। इस बीच, 1958 में नंदकुंवरबाई ने अदालत में दीवानी वाद दाखिल कर संपत्ति पर मालिकाना हक और कब्जे का दावा किया। नंदकुंवरबाई का कहना था कि संपत्ति हिन्दू अविभाजित परिवार की है इसलिए मुकट लाल का वसीयत के जरिए संपत्ति पर हक नहीं बनता। दीवानी अदालत ने यह मुकदमा खारिज कर दिया। हालांकि, यह माना कि उस संपत्ति से नंदकुंवरबाई को भरण पोषण पाने का अधिकार है। इस बीच कैलाशचंद ने 1979 में रेवेंयू सूट दाखिल कर उत्तराधिकार के तहत धारा 14(1) में संपत्ति पर पूर्ण स्वामित्व का दावा करते हुए संपत्ति का विभाजन मांगा। यही मामला हाई कोर्ट से होते हुए सुप्रीम कोर्ट आया था।

फारूक अब्दुल्ला की...

कि पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि हरनी के निवासी सोहेल अहमद और यासीर अहमद और कसबलारी गांव के मोहम्मद इमरान को चाकू से चोटें आईं और उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि सोहेल और यासीर की हालत गंभीर बताई गई है और उन्हें विशेष उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल, राजौरी रेफर किया गया है। बरिष्ठ नेकॉ नेता जावेद अहमद गिरान ने इस घटना को *सुरक्षा ब्रूक* करार दिया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। यह बहुत अजीब है कि चाकू लेकर घटना रैली स्थल में घुसने में कामयाब रहे। राहुल ने कहा की यह एक गंभीर घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए। कुछ दिन पहले, घायल युवक के भाइयों में से एक पर उसी समूह ने हमला किया था और आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, नेकॉ नेता ने कहा कि जो घायलों की स्थिति के बारे में जानने के लिए अस्पताल पहुंचे।

सोने की तस्करी ...

जब्त किए। विशिष्ट बीएसएफ इनपुट के आधार पर, निश्चितपुर के क्षेत्र में बीएसएफ सैनिकों द्वारा ऑपरेशन चलाया गया था। एक बीएसएफ अधिकारी ने कहा कि एंबुश पार्टी ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और सीमा बाड़ के बीच दो संदिग्धों की आवाजों देखी। सीमा अवलोकन चौकी पर तैनात बीएसएफ जवानों द्वारा संदिग्धों की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। बांग्लादेश की ओर से भारतीय सीमा की ओर आने वाले संदिग्धों ने सीमा बाड़ पर बातचीत की और पास के वन क्षेत्र में प्रवेश कर गये, लेकिन सतर्क बीएसएफ एम्बुश पार्टी ने एक संदिग्ध को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। हालांकि, एक अन्य संदिग्ध ने घने जंगलों का फायदा उठाकर भारतीय गांव निश्चितपुर की ओर भागने में सफल रहा। उन्होंने बताया कि मौके पर पृष्टछात्र करने पर पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान पश्चिम जिला अंतर्गत अमतली निवासी प्रशांत राय (36) के रूप में बताई। पकड़े गए व्यक्ति की तस्वीर गवाहों की उपस्थिति में तलाशी ली गई और उसके कब्जे से 4 सोने के बिस्कुट लगभग वजन 466 ग्राम बरामद किए गए, जिनके मूल्य 36.6 लाख रुपए होने का संदेह है। पकड़े गए व्यक्ति ने सोने की सीमा पार तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और खुलासा किया कि यह खेप उसे एक बांग्लादेशी तस्कर इकबाल निवासी ब्राहमणबारिया, बांग्लादेश ने सौंपी थी। अधिकारी ने आगे कहा कि मौके से भागे अपराधी को पकड़ने के लिए सीमा क्षेत्र में बीएसएफ द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आगे की जांच जारी है।

कोलकाता में खड़गे ...

कांग्रेस ने इसके लिए तुणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस में शिकायत भी की है। दरअसल, ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि केंद्र में इंडी गठबंधन की सरकार बनने पर वह उसे बाहर से समर्थन देंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन बनर्जी ने उनके इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। वह भाजपा के साथ जा सकती हैं। अधीर रंजन के इस बयान के बाद शनिवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन के साथ हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि वह सरकार में शामिल होंगी। अधीर रंजन चौधरी फैसला नहीं लेंगे। फैसला मैं और आलाकमान लेंगे, जो सहमत नहीं होंगे वे बाहर जाएंगे। इसके बाद अधीर रंजन ने भी खड़गे के बयान पर असंतोष व्यक्त किया था। आज रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर पर स्थाही पोते जाने से प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस नेतृत्व के बीच टकराव की अटकलों को बल मिला है।

तापमान

अधिकतम 32°

न्यूनतम 24°

गुवाहाटी/आसपास

सोमवार, 20 मई, 2024

3

सोनतली में आर्टिस्ट्स सोसाइटी की 21 सदस्यीय समिति का गठन



नगरवेड़ा (विभास)। कलाकार समुदाय को एक कदम आगे ले जाने के लिए, कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सोनताली में आज बोरलुइत शिल्पी समाज नामक एक समिति का गठन किया गया। इस समिति का गठन ग्रेटर सोनताली, सामरिया, देकासांग, कासुमारा, तुपामारी, आलोपति क्षेत्र के सांस्कृतिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने के प्रयास में किया गया था। समिति का गठन कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने, क्षेत्रीय स्तर पर प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशिक्षित करने, समाज में स्वस्थ पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न दृष्टिकोण अपनाने, स्वदेशी लोगों की लोक संस्कृतियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा किसी भी कलाकार के व्यक्तिगत जीवन में कोई समस्या आने पर सभी की मदद करने के उद्देश्य से किया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से 21 सदस्यीय समिति का गठन किया गया, जिसमें मोनिरुल हक मणि को अध्यक्ष, मिंटू बोरा को कार्यकारी अध्यक्ष, नजरुल इस्लाम, रेजाउल कबीर, द्विपन्योति दास को उपाध्यक्ष, अमीन नजमुल इस्लाम को महासचिव, अफजालुर रहमान, अमृत सरकार और शुक्रु मामूद को सचिव बनाया गया।

बुलडोजर की ठेकर से 5 साल के बच्चे की मौत

कछर (हिंस)। कछर में बुलडोजर की ठेकर से 5 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। हादसा उजान तारापुर के पास मणिपुरी बस्ती के पहले ब्लॉक में हुआ। पुलिस ने रविवार को बताया कि हादसे के बाद बुलडोजर ने भागने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने शिवपुर से वाहन को जवाब कर लिया। इसी बीच बच्चे की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को ले जाकर सिलचर-इंफाल नेशनल हाईवे-37 को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि घातक बुलडोजर तेज गति से आया और सड़क के किनारे इंतजार कर रहे पांच वर्षीय लड़के नुरुल बुजा को टक्कर मार दी। जिससे बच्चे की मौत हो गई। बच्चे के परिवार को उचित मुआवजा देने और तेज गति से आ रहे वाहनों पर नियंत्रण की मांग को लेकर सड़क जाम किया। बाद में पुलिस और प्रशासन के कर्मी पहुंचे और उनकी मांगें मान लीं।

सरकारी विद्यालयों के उत्थान में गैर-संस्थाओं का जुड़ाव जरूरी : राज्यपाल

गुवाहाटी। सरकारी विद्यालयों में उत्थान के लिए गैर सरकारी संस्थाओं का जुड़ाव जरूरी है। ताकि विद्यालयों में किसी भी चीज की जरूरत पड़ने पर संस्था के सहयोग से समय पर उसे पूरी की जा सकती है। सरकारी प्रक्रिया लंबी होने के चलते समय पर उसे पूरा नहीं किया जा सकता ऐसे में संस्थाओं के विद्यालय से जुड़े रहने से उसे पूरा किया जा सकता है। यह बातें राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को रोटी क्लब ऑफ गुवाहाटी मेट्रो द्वारा रेहाबाड़ी स्थित आर्य पाठशाला के नवीनीकरण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि क्लब की ओर से विद्यालय का नवीनीकरण किया गया है। लेकिन अब शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि इसके रख रखाव पर भी ध्यान दें। वहीं क्लब के सदस्य की भी सदस्यों की भी जिम्मेदारी है कि समय-समय पर वह लोग भी आकर विद्यालय का निरीक्षण करें एवं जरूरत अनुसार हर संभव सहयोग प्रदान करें। राज्यपाल ने हैप्पी स्कूल के रूप में नवीनीकरण हुए आर्य पाठशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर रोटी मेट्रो के अध्यक्ष आरपी सुरेका, उपाध्यक्ष



विजय जसरासरिया, सचिव शंकर लाल अग्रवाल के अलावा उद्घाटन समिति के सदस्य अरुण शर्मा, दिनेश मंगलुनिया, सतीश कसेरा, राजीव चांडक के प्रयासों से उद्घाटन समारोह सफल रहा। सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सभी रोटी सदस्यों की प्रतिबद्धता रोटी के आदर्श वाक्य स्वयं से ऊपर सेवा का उदाहरण है। बैठक में गणमान्य व्यक्ति, रोटीयन, छात्र और समाज के लोग उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री सुरेका ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि कार्य पाठशाला, एक सरकारी प्रोजेक्ट अस्मिया

ऐसा स्कूल है, जहां शिक्षा प्राप्त करने पर छात्र को खुशी महसूस होगी और उस स्कूल में पढ़ने पर गर्व महसूस होगा। नवीनीकरण के बाद, छात्रों का स्कूल छोड़ना और अनुपस्थिति में भारी कमी आती है। नवीनीकरण परियोजना में स्कूल के बुनियादी ढांचे के प्रमुख क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें स्वच्छ पेयजल सुविधाएं, डेस्क और बेंच की मरम्मत और पेंटिंग, क्लास रूम का नवीनीकरण, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालयों के साथ आधुनिक शौचालय सुविधाएं, खेल, बागवानी के लिए क्षेत्र विकसित करना और स्कूल की सभ्य पेंटिंग आदि शामिल है। 10 लाख से अधिक की लागत से यह विद्यालय राज्य का आदर्श प्रार्थमिक विद्यालय बन गया है। मुख्य प्रायोजक के रूप में क्लब के अध्यक्ष आरपी सुरेका और उपाध्यक्ष विजय जसरासरिया के उदार वित्तीय योगदान से क्लब इस परियोजना को पूरा करने में सफल हो सका। बिजय सराफ-अध्यक्ष सामुदायिक सेवा, अशोक कुमार गोवाल, रवि एस दत्ता के समर्पित प्रयास ने हैप्पी स्कूल के सपने को हकीकत में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मारवाड़ी पंचायती, होजाई ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान



होजाई (निर्स)। मारवाड़ी पंचायती होजाई ने मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान। आज जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन में मारवाड़ी पंचायती ने समाज के 11 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जिन्होंने 10 वीं व 12वीं की

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम मारवाड़ी पंचायती के अध्यक्ष लावण्य कुमार अग्रवाल को अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. हिमंत सिंह राठौड़। इसके अलावा

समाजसेवी व पूर्व चाई कमिश्नर दौलत बेरीवाल, मारवाड़ी पंचायती के पूर्व अध्यक्ष गजानंद केजरीवाल व समाजसेवी राधेश्याम शराफ मंच पर आसीने थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव रमेश मुंदड़ा ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. हिमंत सिंह राठौड़ ने कहा कि बच्चों की यह उपलब्धि हनी चाहिए कि उनके माता-पिता उनके हर एक कार्य से प्रसन्न हो। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी को एक नई ऊर्जा मिलती है कि वह आगे और अच्छे कर सके। उन्होंने इस तरह के आयोजनों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में गजानंद केजरीवाल, सुनील भीमसरिया, निरंजन सरावगी, ललित बोरा व निर्मल सोनावत ने भी अपने बहुमूल्य विचार रखे व बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में 12वीं के छात्र प्रणय शर्मा, प्राची अग्रवाल, नमन दीक्षित, दीपिका कंवर और दसवीं के छात्र रौनक अग्रवाल, गीतिका बेरीवाल, तनीषा गाडोदिया, चिराग मोर, मनस्वी बेरीवाल, शंभिका भीमसरिया, कोमल तंवर को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें अस्मिया फुलम गमछ, मानपत्र, व उपहार प्रदान किया गया। साथी उनके माता-पिता का भी सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में काफी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के टिंछोंग बरबाम पुलिस चौकी के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि रविवार को पुलिस चौकी के पास राजगढ़ सोनारी पथ के किनारे स्थित एक तालाब के पास एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक का गला गमछ से बंधा पाया गया है। वहीं गमछ का एक टुकड़ा पास के ही छोटें पेड़ पर पाया गया है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि मृतक फंसे से लटक कर आत्महत्या की होगी। वहीं स्थानीय लोगों ने अज्ञात व्यक्ति को इलाके में आत्महत्या किए जाने की घटना पर संदेह व्यक्त किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्रार्थमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मोमिता शर्मा की बनाई डिजाइन असमिया मेखेला पहनकर कांस के रेड कार्पेट पर नजर आई आईमी बरुवा

गुवाहाटी। असम की जानी-मानी अभिनेत्री आईमी बरुवा ने मोमिता शर्मा द्वारा बनाई गई गोज बटा और गाम खारू जैसे प्राचीन असमिया डिजाइन से सजी हुई मुगा रेशम की मेखेला चादर पहनकर कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर कदम रखा। मुगा रेशम को एक विलासिता के रूप में माना जाने वाला आहोम राजवंश के समय से प्रसिद्ध असम की एक प्राचीन शैली गोज बटा का डिजाइन वास्तव में विशिष्ट फूलों और ज्यामितीय आकृतियों का एक जटिल संयोजन है। इस संयुक्त रचनात्मकता के प्रति लोगों का आकर्षण आज भी कम नहीं हुआ है। यह डिजाइन असम की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरी ओर, असमिया संस्कृति में गहराई से निहित गाम खारू को पारंपरिक समृद्धि और सुरक्षा की प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हमारे डिजाइनर ने पांच अलग-अलग धागों और रंगों के उपयोग के माध्यम से एड्री, कपास और गुना के मिश्रण के साथ जटिल पैटर्न बनाकर मुगा रेशमी मेखेला चादर में पारंपरिक गोज बटा डिजाइन और गाम खारू शिल्प को कुशलता से जोड़ा है। इस रचनात्मकता ने असम के हथकरघा उद्योग की कला और शिल्प कोशिल को रोशन किया है।



मायुम के प्रांतीय पदाधिकारियों का नगांव दौरा संपन्न असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी नारी वंदन से सराबोर



नगांव (निर्स)। दिनांक 18 मई शनिवार 2024 को प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, पूर्व अध्यक्ष रिशेरा खट्टेड़, महामंत्री सुभाष सुरेणा सत्र 2024-25 के मारवाड़ी युवा मंच, नगांव शाखा के अध्यक्ष मनीष गाडोदिया के कार्यकाल में अपने प्रथम सांगठनिक दौरे पर नगांव पधारे। शाखा अध्यक्ष ने प्रांतीय

अध्यक्ष को शाखा की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही आगामी कार्यक्रम के बारे में बताया जैसा की अमृत प्रकल्प की देखरेख, ड्राइविंग प्रोजेक्ट, इत्यादि के बारे में बताया। मैं नहीं हम का नारा देने वाले हमारे प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान से मिलकर नगांव शाखा के सभी सदस्यों को बहुत खुशी हुई।

साथ ही उन्होंने आगामी प्रांतीय कार्यक्रम से शाखा सदस्यों को अवगत करवाया। हमारे खुशमिजाज पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रिशेरा खट्टेड़ ने भी शाखा सदस्यों को कहा शाखा में हमेशा हलचल रहनी चाहिए साथ ही मिल जुलकर शाखा का काम करना चाहिए, और अपने आप को साबित करने का मौका न छोड़ते हुए आगे आकर अपना हुनर दिखाना चाहिए। शाखा द्वारा सभी का फुलाम गमछा द्वारा स्वागत किया गया। इन से मिलने के लिए शाखा अध्यक्ष मनीष गाडोदिया, पूर्व अध्यक्ष विवेक तोदी, नितिन मुंदड़ा, निरु पोद्दार, निवर्तमान अध्यक्ष विनित मोर, उपाध्यक्ष गौतम मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, सह सचिव यश तोदी, कार्यकारिणी सदस्य स्मृति भरेज, जुही मोर, रुचिका मोर ने अपनी भूमिका निभाई। यह जानकारी नगांव शाखा के सचिव रजत केजरीवाल ने दी।

विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मई माह की मासिक काव्य गोष्ठी का ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर कल शनिवार, 18 मई को संध्या 6:00 बजे से शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वनकाम छतीसगढ़ की अध्यक्षा अनिता शरद झा जी तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार मनोहर वर्मा भी मौजूद थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता आभा संचालन असम वनकाम के उपाध्यक्ष श्री संतोष कुमार महतो जी ने किया। सर्वप्रथम वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी जी ने मुख्य तथा विशिष्ट अतिथि को ससम्मानपूर्वक मंच पर आसन ग्रहण करवाया। तत्पश्चात वनकाम असम इकाई की सक्रिय सदस्या व कवयित्री मनीषा



पाल ने मुख्यअतिथि का परिचय और कवयित्री आभा कुमारी चौधरी ने विशिष्ट अतिथि का परिचय मंच

के सामने रखा। कार्यक्रम का शुभारंभ वनकाम असम इकाई के द्वय उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने बेहद ही मनमोहक आवाज में स्वर्चित्त भू शरद सरस्वती वंदना से काव्य गोष्ठी का आगाज किया। इसके बाद काव्य गोष्ठी के संचालन का कार्यभार संतोष कुमार महतो ने संभालते हुए कवि एसएन सिंह से गुजारिश की कि वह अपनी कविता का वाचन कर मंच को अनुग्रहित करें। कवि एसएन सिंह ने भ्रमित मन कविता की प्रस्तुति के बाद क्रमशः वरिष्ठ कवयित्री गीता लिवू ने दोस्ती, शिलांग से महिला काव्य मंच में वनकाम इकाई के अध्यक्षा दया शर्मा ने नजरो का खेल, हिंदी सेवी मनीषा पाल ने आसमान के उड़ने पर, उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने गीत हूया रहें क्यो मुझसे पापा, मुख्य अतिथि

अनिता शरद झा ने मां यादों की, आचार्या डॉ. गोमा देवी शर्मा ने नदी की आत्मकथा शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा ने जय जवान, जय किसान जाकिर हुसैन ने गीत हिंदी, कवि किशोर जैन मां, कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून ने हरपल कुछ कहता है हेमकला गोलखल ने मुक्तक पदां (पट), विशिष्ट अतिथि मनोहर वर्मा ने हास्य कविता और अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने चांद नामक शीर्षक कविता वाचन कर मंच में चार चांद लगा दिए। इस मौके पर श्रोता के रूप वरिष्ठ कवयित्री ममता गिनोयरी, अंजना जैन, कवि रोहित लखामादे तथा बाल कवि दिव्य ज्योति बरुवा भी मौजूद थे। अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने सबको धन्यवाद देते हुए मंच के कवि-कवयित्रीयों का उत्साहवर्धन किया तथा संतोष कुमार महतो की

सफल अध्यक्षता और संचालन के लिए भी अतिथियों ने उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। उसके बाद काव्य गोष्ठी के संचालक संतोष कुमार महतो ने मंच पर उपस्थित अतिथि, कवि, श्रोता का आभार प्रकट करते हुए अपनी स्वर्चित्त कविता वसंत हुआ राममय की प्रस्तुति दी। अंतः पूर्वोत्तर वनकाम की संरक्षिका व अध्यक्षा डॉ. गोमा अधिकारी ने सभी को विशेष बधाई दी तथा विशिष्ट और मुख्य अतिथि का आभार प्रकट किया तथा असम इकाई, वनकाम की अध्यक्षा आभा चौधरी ने सभी का एक मुष्ट में आभार व्यक्त कर औपचारिक रूप से गोष्ठी के समापन की घोषणा की। लगभग दो घंटे से चल रही ऑनलाइन काव्य गोष्ठी बेहद सफल, उत्साहवर्धक और भावपूर्णता के साथ समापन हुआ।

बोकाजान में 8 क्विंटल गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार
काबी आंग्लोंग (हिंस)। बोकाजान में 8 क्विंटल गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि खटखटी पुलिस की नाका तलाशी में शनिवार की रात यह गांजा जब्त किया गया। डिमापुर से गुवाहाटी जाने वाले ट्रक (डब्ल्यूबी-76बी-2883) में गुप्त चेंबर लगाकर गांजे को छुपाया गया था। 75 पैकेटों में बरामद गांजे का वजन लगभग 8 क्विंटल है। बिहार के मोतिहारी जिले के तस्कर राधेश्याम सहनी नामक तस्कर को गांजे के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जब्त गांजे की बाजार में कीमत 4 करोड़ रूपए आंकी गई है।

ममता बनर्जी का हिंदुओं को बांटने का षड्यंत्र : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि ममता बनर्जी अब हिंदुओं को बांटने के षड्यंत्र में जुट गई हैं। उनके द्वारा हिंदुओं को बांटने का नया फार्मूला राम भक्ति और मातृ भक्ति कितना बढ़ा षड्यंत्र है। इसे समझिए। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा पश्चिम बंगाल में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ममता बनर्जी नारायण और नारायणी के बीच भेद पैदा करना



चाहती हैं। उन्होंने कहा कि जहां राम की पूजा होती है वहां शक्ति की भी पूजा होती है। राम और शक्ति को अलग-अलग करके देखा बहुत ही गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

बंगाल में लोग काली की पूजा करते हैं। असम में हम मां कामाख्या की उपासना करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हम राम के भक्ति नहीं करते हैं। हम सभी हिंदू हैं और हमें इस प्रकार से ममता बनर्जी बांट नहीं सकेगी। मुख्यमंत्री के संबोधन के बीच-बीच में लोग खड़े होकर जय श्री राम के नारे लगाते रहे और हर तरफ तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही।

अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा ट्रैक्टर जब्त

काबी आंग्लोंग (हिंस)। काबी आंग्लोंग जिले के खेरनी इलाके में वन विभाग की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध रूप से लकड़ी लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर (एएस-02बीसी-9361) को जब्त किया है। वन विभाग ने रविवार को बताया कि खेरनी के दिखमेल गांव में चलाए गए अभियान के दौरान अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। हालांकि, वन कर्मियों को देख ट्रैक्टर छोड़कर तस्कर फरार हो गए। वन विभाग ने आशंका व्यक्त किया है कि पहाड़ी जिला डिमा हसाओ से ट्रैक्टर के जरिए लकड़ी को लाया गया होगा। वन विभाग इस संबंध में एक प्रार्थमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

तुम जियो हजारों साल



नाम-आरुषि शील उम-चार वर्ष
पता-लाल गणेश, प्रगति नगर आरुषि को उसके चौथे जन्मदिन पर मम्मी-पापा, चाचा-चाची, दादा-दादी, नाना-नानी, मामा और विधास परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

पूर्वोत्तर में भारी वर्षा और तेज हवाओं की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा की चेतावनी दी है। आईएमडी के अनुसार अगले पांच दिनों में असम, मेघालय, अरुणचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम नगालैंड और त्रिपुरा में गरज के साथ वर्षा होने तथा 30-40 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद जताई है। पूर्वोत्तर के आकाश में निचले स्तर पर चक्रवाती बादलों का घेर बना हुआ है। आईएमडी द्वारा लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

मवेशी तस्करी मामले में शामिल तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी खेत्री पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर 25 मवेशी समेत तीन पशु तस्करो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आज तड़के खेत्री थाना क्षेत्र के बागमर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर चलाए गए अभियान के दौरान अवैध रूप से मवेशी लेकर जा रहे दो बोलरो फिकअप (एएस-02डीसी-4552 और एएस-02डीसी-3363) को जब्त किया गया। दोनों वाहनों में अवैध तरीके से 25 मवेशियों को मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में तीन पशु तस्करो को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्करो की पहचान शहीदुल इस्लाम, हाफिजुर रहमान और मुस्तफिजुर रहमान के रूप में की गई है। जब्त किए गए सभी मवेशियों को नगांव जिले से लाया गया था। जब्त किए गए सभी मवेशियों को बड़े ही कष्ट तरीके से वाहन में भरकर लाया गया था। जात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने बावजूद पशुओं की तस्करी जा रही है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्रार्थमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।



चंद्रशेखर की राजनीतिक विरासत को लेकर छिड़ी चुनावी जंग

बलिया (हिस)। पूर्वांचल में वाराणसी के बाद बलिया वह अहम संसदीय सीट है, जहाँ विरासत को लेकर दोनों गठबंधन के अपने-अपने दावे हैं। एक तरफ चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर भगवा झंडा लेकर पिता की राजनीतिक विरासत को अपने पास रखने की कोशिश में जुटे हैं। वहीं, दूसरी ओर खुद को समाजवादी बताते वाले सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय चंद्रशेखर को अपना मान रहे हैं। बलिया वह संसदीय सीट है, जहाँ से आठ बार सांसद चुने गए चंद्रशेखर एक बार देश के प्रधानमंत्री भी रहे। उनके निधन के बाद 2007 के उपचुनाव और फिर 2009 के आम चुनाव में नीरज शेखर लोकसभा सांसद बने। हालाँकि, नीरज शेखर 2014 के लोकसभा चुनाव में पिता की विरासत नहीं बचा पाए थे। मोदी लहर में वह भाजपा के भरत सिंह से मात खा गए थे। जिसके बाद सपा ने उन्हें राज्यसभा में भेजा था। 2019 में समाजवादी पार्टी ने उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं बनाया था तब उन्होंने भगवा खेमे में एंट्री ले ली थी।

अयोध्या में भगवान राम के बाद अब मथुरा में श्रीकृष्ण मुस्कराएंगे : डॉ. मोहन यादव

बलिया (हिस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलिया से लोकसभा प्रत्याशी नीरज शेखर के समर्थन में रविवार को दूबे छपरा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मथुरा की ओर इशारा करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम के बाद मथुरा में अब श्रीकृष्ण की बारी है। भगवान राम अयोध्या में मुस्करा रहे हैं। मथुरा में भगवान कृष्ण भी मुस्कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीस-पच्चीस परिवारों ने टेक्रेदारी चलाई कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री उन्हीं के परिवार का व्यक्ति बनेगा। गरीब का बैटा नरेंद्र मोदी ने इस मिथक को तोड़ा। वर्ष 2014 में आपके बोट से देश में आतंक खत्म हुआ था। पहली बार हुआ कि भारत देश के दुश्मन पाकिस्तान को उनके घर में घुसकर मारा था। घर में घुसकर मारने वाला भारत, अमेरिका और इजरायल के बाद तीसरा देश बन गया

है। पहली बार है जब सीमा पर जवान और देश का किसान खुशहाल हुआ है। इरान और इजरायल में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए वर्तमान में देश और देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए सशक्त नेता चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के वोट की ताकत है कि जिस भगवान राम के होने का प्रमाण मांगते थे, अयोध्या में उनका भव्य मंदिर बनाकर दिया। इंडी गठबंधन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भगवान राम ने घमंडी रावण की लंका को साधारण लोगों के साथ मिलकर खत्म किया था। आज घमंडिया गठबंधन के लोग सनातन संस्कृति को अपमानित करते हैं। सनातन संस्कृति को मलेरिया और डेंगू की बीमारी बताते हैं। दस-दस मुंह से बोलने वाले घमंडिया गठबंधन वालों की जुबान का कोई भरोसा नहीं रहता कि क्या बोलेंगे। जिस प्रकार नकली साधु बनकर रावण ने माता सीता का अपहरण कर लिया



था, उसी प्रकार से घमंडिया गठबंधन वाले नकली लोग भ्रम रहे हैं। इनको भूलना मत। उन्होंने कहा कि इनकी हिम्मत नहीं होती असली रूप में आकर वोट मांगने की। इनको जवाब देना पड़ेगा। मोहन यादव ने कहा कि

सर्वरूप में बहती हुई लहरें एहसास कराती हैं कि राम इसी देश में पैदा हुए थे। सबको मालूम है कि राम कहाँ पैदा हुए लेकिन कांग्रेस और उसके साथियों को नहीं पता कि राम कहाँ पैदा हुए थे। इसलिए कोर्ट में

शपथ पत्र दे रहे थे। बलिया भाग्यशाली है। यहां गंगा और सरयू की पावन धारा है। भगवान राम और कृष्ण ने अपने जीवन में कदम-कदम पर संघर्ष कर मानव योनि को धन्य किया। श्रीलंका वाले अपना इतिहास भगवान राम से जोड़ते हैं लेकिन कांग्रेस नहीं। वोट देकर सनातन विरोधियों को जवाब देना। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश में भगवान कृष्ण का जयकारा नही होगा तो क्या कंस का होगा। बोले, जनता के वोट की ताकत ही है कि नरेंद्र मोदी ने 2020 में नई शिक्षा नीति लाकर देश में नई पीढ़ी को देवी-देवताओं के प्रसंगों को बताया। इतना ही नहीं, अंग्रेजों का बनाया आईपीसी कानून बदला गया। नई न्याय संहिता भी बनी। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर, पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी, जिलाध्यक्ष संजय यादव, पूर्व सांसद भरत सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

बिहार की सभी 40 सीटें जीत रहे चार चरणों में 270 का आंकड़ा पर हुआ : अमित शाह

पटना/बेतिया (हिस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बेतिया में भाजपा उम्मीदवार डॉ. संजय जायसवाल के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि बिहार में सभी 40 सीटें राजग गठबंधन को मिल रही हैं। अबतक हुए चार चरणों में कुल 270 का आंकड़ा पार कर चुके हैं। अमित शाह ने कहा कि लालू यादव कहते हैं कि मुसलमानों को शत-प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए। लालू बताएं कि वे किसका आरक्षण काट कर देंगे? दलितों का, आदिवासियों का या पिछड़े समाज का आरक्षण काट कर देंगे। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में झूठ का व्यापार करने वाले लोग हैं। ये झूठ बोलकर और जनता को गुमराह कर राजनीति में विजय प्राप्त करना चाहते हैं। अमित शाह ने कहा कि लालू प्रसाद बिहार के सीएम और केंद्र में मंत्री रहे। इस दौरान क्या उन्होंने कभी कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के लिए प्रयास किया। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का काम पीएम मोदी ने किया है। शाह ने कहा कि पीओके हमारा है या नहीं? कांग्रेस पार्टी के नेता मणिशंकर अय्यर और लालू यादव के साथी फारुक अब्दुल्ला कहते हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, पीओके की बात मत करो। हम भाजपा के कार्यक्रमों परमाणु बम से नहीं डरते। यह मोदी की गारंटी है कि पीओके भारत का है और रहेगा। इसे हम लेकर रहेंगे। गृहमंत्री की सभा के लिए वाटर प्रूफ जर्मन हॉल लगाया गया था। इसमें 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। जनसभा के बाद शाह दिल्ली के लिए रवाना हो गए।



विद्या भारती शिक्षण संस्थान का राष्ट्रनिर्माण में अहम योगदान : मुख्यमंत्री

पाली (हिस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्या भारती के आदर्श विद्या मंदिर और सरस्वती शिशु मंदिरों के माध्यम से विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण, राष्ट्रीय भावना और सामाजिक सरोकार विकसित करने की शिक्षा मिलती है। इन विद्यालयों में विद्या भारती द्वारा बच्चों को संस्कृति और संस्कार सिखाये जाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को पाली के तखतगढ़ में योगांधी आदर्श विद्या मंदिर के नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम एवं भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार के लिए उन्हें तैयार करने पर बल देती है। प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें प्रेरणादायी परामर्श देते हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार अल्प आय वर्ग, लघुसिमांत एवं बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के परिवार के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक नि:शुल्क शिक्षा दे रही



है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के विद्यार्थियों को स्कूल बैग, किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए सहायता देना। 1 से 8वीं तक के समस्त विद्यार्थियों और कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं को प्रति विद्यार्थी एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक संभाग में आईआईटी की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी और एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है। अटल इंगोवेशन स्टूडियो एंड एक्सिलेटर 1, 000 करोड़ रुपये की लागत से प्रारंभ कर रहे हैं। इससे आईटीफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और

ऑफ टेकनोलॉजी और एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है। अटल इंगोवेशन स्टूडियो एंड एक्सिलेटर 1, 000 करोड़ रुपये की लागत से प्रारंभ कर रहे हैं। इससे आईटीफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और

डेटा साइंस जैसे विज्ञान और तकनीक के नए उभरते हुए क्षेत्रों के लिए विद्यार्थी खुद को तैयार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए हमने एसआईटी गठित की और उसके नीचे आप सभी के सामने हैं। शर्मा ने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाने और उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को सिखाने के लिए कहा। उन्होंने कहा इस विद्यालय में शिक्षा के लिए नवीन भवन का निर्माण एवं जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए भामाशाह मणिलाल रायगांधी और नरेंद्र कुमार रायगांधी ने प्रशंसनीय कार्य किया है। शिक्षा के क्षेत्र में इस योगदान को पीढ़ियों तक याद किया जाएगा। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, राज्य मंत्री ओटाराम देवसारी, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायक चोधरी, छगन सिंह राजपुरोहित, लुम्बाराम चैधरी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, विद्या भारती प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. नरपत सिंह शेखावत, डॉ. चंदनलाल गांधी, यतीन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

रोहिता गोदार ने ही रची थी सलमान खान पर फायरिंग की साजिश

जयपुर (हिस)। राजस्थान के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने विदेश में बैठकर सलमान खान के घर मुंबई में 14 अप्रैल सुबह हुई फायरिंग की साजिश रची थी। गोदारा ने ही शूटर्स को रुपए और हथियार भी दिलाए थे। इस बात का खुलासा मुंबई पुलिस की जांच में हुआ है। रोहित गोदारा का नाम मुंबई पुलिस ने इस केस के मुख्य साजिशकर्ताओं के तौर पर शामिल कर लिया है। रोहित गोदारा और लॉरेंस का भाई अनमोल बिश्नोई शूटर्स और इनके लिए हथियार करने वाले आरोपियों के साथ लगातार संपर्क में थे। उन्हें मोबाइल ऐप के जरिए लगातार कॉलिंग और चैटिंग के माध्यम से पूरा डायरेक्शन और मोटिवेशन रोहित गोदारा और अनमोल बिश्नोई ही दे रहे थे। पुलिस ने बताया कि रोहित गोदारा ने दोनों शूटर्स को फायरिंग करने से पहले कहा था कि हमारा भाईरा बड़ा है और तुम दोनों बहुत धुका का काम कर रहे हो। गैंगस्टर रोहित गोदारा की पुष्पिका सामने आने के बाद अब उसे भी लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई के साथ इस केस में आरोपित बना लिया गया है। वो विदेश में बैठकर यहाँ शूटर्स और हंडलर को निर्देश दे रहा था। उसी के कहने पर हरियाणा के फतेहाबाद के हैरी हरपाल ने मुंबई में दूध का काम करने वाले नागौर



के बासनी निवासी मोहम्मद रफीक के जरिए शूटर्स को मुंबई में ठहराने और रुपए का इंतजाम करवाया था। फिलहाल इस केस में शूटर्स समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस को ब्राह्म ब्रांच ने इस केस में नागौर के बासनी से मोहम्मद रफीक चौधरी को गिरफ्तार किया था। रफीक ने पछुताहट में बताया कि वह गैंगस्टर रोहित गोदारा से संपर्क में था। उसे फतेहाबाद (हरियाणा) के हैरी हरपाल के जरिए शूटर्स की मदद करने का टास्क मिला था। उसके फोन में कुछ फोटो व वीडियो भी मिले थे। रफीक ने सलमान खान के अलावा 2 और बॉलीवुड एक्टर्स के बंगलों के भी वीडियो बनाए थे। ये वीडियो लॉरेंस के भाई अनमोल को भेजा था।

जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में घायल दंपति के परिजनों से मिलने पहुंचे हवामहल विधायक

जयपुर (हिस)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में घायल दंपति के परिजनों से मिलने रविवार को हवामहल विधायक पटना का चौक पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर सरकार से हर्षसंभव मदद का वादा किया। हवामहल विधायक बालू मुकुंदराव ने परिजनों से कहा कि सरकार उनके परिवार की हर्षसंभव मदद करेगी। हमला करने वाले आतंकीयों को पुलिस खोज कर रही है। गौरतलब है कि शनिवार को कश्मीर घूमने गए जयपुर के पति-पत्नी पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। गोली लगने से दोनों घायल हो गए। आतंकीयों ने उन्हें पीछे से गोलियां मारी है। दोनों बरसे उत्तरकर खाना खाने जा रहे थे। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है। याने इलाके के एक रिपोर्ट में हमले में दोनों घायल हो गए। हमले में घायल तबरेज के परिवार ने बताया कि दोनों से बात हो गई है। वे दोनों को लेने के लिए कश्मीर जा सकते हैं। हमले में तबरेज की आंख को नुकसान पहुंचा है और नाक की हड्डी टूटी और उनकी पत्नी फरहा के कंधे में रोंड डालनी पड़ी। दोनों अपने पांच साल के जुड़वा बच्चों के साथ घूमने निकले थे। हमले से बीस दिन पहले दोनों ने कश्मीर घूमने की प्लानिंग की थी।

मोदी सरकार ने दस वर्षों में देश का कायाकल्प किया : योगी आदित्यनाथ

प्रतापगढ़ (हिस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार वर्तमान सांसद संगमलाल गुप्ता के पक्ष में रामपुरखास में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने मंच पर मां बेल्हा देवी और बाबा युइसरनाथ धाम सहित धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज को प्रणाम करते हुए कहा कि लोकसभा का चुनाव चल रहा है। मैं अब तक दस राज्यों में चुनाव प्रचार में गया। पूरे देश के अन्दर लोगों को चुनाव परिणाम का पहले से पता है कि सपा-कांग्रेस चाहे जितना जोर लगा ले, आयेगे मोदी ही। देश की जनता कह रही है जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। इसलिए अबकी बार चार

सौ पर। देश के लोगों की आवाज सुनकर सपा-कांग्रेस के लोगों को चक्कर आ जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दस वर्ष में देश का काया कल्प कर दिया है। भाजपा सरकार बनने से पहले कांग्रेस और सपा दोनों ही का समर्थन आतंकवादियों के साथ हुआ करता था, जिसको पूरा देश और उत्तर प्रदेश की जनता जानती है। काशी में सपा सरकार में हमला हुआ, उस समय केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अयोध्या में जब हमला किया गया, उस समय उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार थी और केंद्र से कांग्रेस की सरकार थी। हमने अपना वादा पूरा किया है। राम मंदिर का निर्माण किया है। जहाँ आज रामलला विराजमान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़

की धरती आंवले की धरती है। आंवला हर इलाज में काम आता है। आज हर क्षेत्र में भारत का विकास हुआ है। आज नया भारत है। हमें कोई छेड़गा तो उसे हम छोड़ेंगे नहीं। प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज बनाया गया। हर घर पर जल पहुंचाया गया। आज प्रौ में राशन दिया जा रहा है। सपा सरकार में इलाज के अभाव में मीत होती थी। 70 वर्ष से अधिक के व्यक्ति को पांच लाख रुपये इलाज के लिए दिए जा रहे हैं। गरीबों को मुफ्त में सिलेंडर दिया गया। प्रदेश में 56 लाख गरीबों के मकान बनाए गए। हमने विकास किए हैं। गरीबों का कल्याण किया है। बड़ी-बड़ी योजनाओं पर काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक जैसी मानसिकता के लोग अराजकता

फैलाने की सोच रहे हैं। उसका जवाब जनता खुद देगी। मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारी बहुमत से सरकार बनने जा रही है। प्रदेश में सात वर्षों से किसी प्रकार का कोई दंगा नहीं हुआ है। नौजवानों के हाथों में रोजगार दिया गया है। विकास की योजनाओं से जोड़ना है। हम इसी कार्य को लेकर आपके बीच में आए हैं। प्रतापगढ़ को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। बाईपास पास कर दिया गया। अयोध्या से प्रयागराज तक फोरलेन हाइवे का निर्माण कार्य किया गया। आज एक तरफ देश विकास और समृद्धि है। पीएम मोदी दिन रात काम कर रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन बरसात पर टैक्स लगाएंगे। बाप दादा की जो भी जमीन होगी,

काम होगा, उस पर टैक्स लेंगे। देश का अर्थ कर डालेंगे। जनता के पैसे में डकैती भारतीय जनता पार्टी नहीं डालने देगी। भाजपा सभी के अधिकारों को सुरक्षित रखेगी। सपा कांग्रेस अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण पर लगातार लपाने की सोच रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार है। आरक्षण में कटौती की है। इसको काटकर मुसलमान को दिया गया है। यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान है। कांग्रेस के लोग वही कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को माफ करने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा ने संगमलाल को पुनः उम्मीदवार बनाया है, जिनको जिताना आप का काम है। संगमलाल को मिला एक-एक वोट मोदी को मजबूत करेगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति : नंदी

प्रयागराज (हिस)। मेजा के सोरांव पाती गांव में आयोजित जनसभा में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत एवं अभिनंदन किया। नंदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति वाला देश बन कर उभरा है। 2019 में पुलवामा में सेना के जवानों पर हमला किया गया तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में घर



में घुसकर हमारी भारतीय सेना ने आतंकवादियों को मारकर जवाब दिया। नंदी ने अखण्ड भारत के संकल्प को साकार करते हुए धारा 370 को समाप्त करने, पड़ोसी देशों में धार्मिक आधार पर उत्पीड़न किए जाने वाले प्रताड़ित लोगों को नगरिकता देने के लिए सीएफ कानून लाने वाले और पुराने घिसे पीटे कानूनों को समाप्त करते हुए भारतीय न्याय संहिता प्रस्तुत करने वाले गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि जहाँ हुए

बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है, वो कश्मीर हमारा है और सारे का सारा है। कई इशकों से भारतीयों द्वारा इस नारे को लगाया जा रहा था। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने धारा 370 हटाकर इस नारे को चरितार्थ किया। भारत की आंतरिक सुरक्षा को अभेद्य बनाया। नंदी ने कहा कि अबकी बार 400 पर, फिर एक बार मोदी सरकार यह नारा पूरे देश में जन-जन के बीच गूंज रहा है।

जगतगुरु शंकराचार्य भगवान का प्राकट्य महोत्सव पर निकाली जाएगी कलश यात्रा

जयपुर (हिस)। मानसरोवर में स्थित वांटी रोड ग्राउंड शिप्रा पथ पर जगतगुरु शंकराचार्य भगवान का प्राकट्य महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस छह दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में संत महंत, धर्म गुरु और राजनेताओं के साथ

कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसी के साथ प्रातः 8 बजे पार्थिव शिवलिंग पूजन रुद्राभिषेक किया जाएगा। कसमर कालोनी मानसरोवर में आयोजित किया जाएगा। चार जुलाई को प्रात सात बजे गोपेश्वर महादेव मंदिर सेक्टर- 73, परमहंस मार्ग शिप्रा पथ से

कांग्रेस में रहते हुए राहुल गांधी के तलवे चाटते थे मुख्यमंत्री हिमंता विश्व : प्रो. रामगोपाल यादव

मऊ (हिस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर रामगोपाल यादव की बोल एक बार फिर बिगड़ गई। उन्होंने इस बार असम के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री को दृष्टि दोष हो गया है। वह कल तक कांग्रेस में रहते हुए राहुल गांधी के तलवे चाटते थे, अब इस तरह की बात कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि संविधान की किताब पार्लियामेंट में सभी सांसदों को दी गई थी, यह वही किताब है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सीएम सम्राट चौधरी के सवालों पर बोले कि जिसको मैं जानता तक नहीं उसके बारे में क्या पूछ रहे हैं। प्रो.रामगोपाल यादव अपनी चुनावी यात्रा के दौरान रविवार सुबह सपा के केंद्रीय चुनाव कार्यालय पहुंचे थे। वह घोसी लोकसभा क्षेत्र से इंडी गठबंधन समर्थित समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार राजीव राय के चुनावी हाल-चाल लेने पहुंचे थे। इस मौके



पर उन्होंने कहा कि बीजेपी की खटिया खड़ी हो गई है, बोल बदल गए हैं, अधिकारियों के धार खूब बदल गए हैं। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल की दिल्ली में राहुल गांधी द्वारा बयान दिया गया है कि महिलाओं की सूची

बनाई जा रही है। उन्हें सालाना एक लाख रुपये उनके खाते में भेजा जाएगा, इस सवाल के जवाब में रामगोपाल ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी घोषणा पत्र है। जब सरकार बनेगी तब लागू होगा। यह तो

जनहित और लोगों को राहत देने वाली घोषणा है। वैसे तो बीजेपी वाले फालतू में अरबों-खरबों रुपया बांट रहे हैं, लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी कुछ भी कर सकते हैं, अब वह जान रहे हैं कि उनकी विदाई

बोकारो में नक्सलियों ने पोस्टरबाजी कर छोड़ा पर्चा

बोकारो (हिस)। जिले के कसमर प्रखंड के खैराचतर और कसमर के विभिन्न इलाकों में भाकपा माओवादियों ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार को लेकर पोस्टरबाजी की है। साथ ही पर्चा भी छोड़े हैं। बोकारो धनबाद लोकसभा क्षेत्र में पड़ता है। यहां 25 मई को वोट डालें जाएंगे। कसमर थाना प्रभारी ने बताया कि झारखंड रिजलन कमेटी के नाम से पर्चा भी छोड़े गया है। सूचना मिलने पर रविवार को सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टर जख्म कर लिया। मामले की जांच चल रही है। ये पोस्टर उत्तरी छोट्टा नागपुर जोनल कमेटी भाकपा माओवादी की तरफ से जारी किया गया है। इसमें लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने, नवजन्मवादी भारत के निर्माण में भूमिका बढ़ाने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बेरमो अनुमंडल के अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के उदकमित उच्च विद्यालय कुकनोली में माओवादियों ने पोस्टरबाजी की थी कई पर्चे भी छोड़े थे।

नौ दिवसीय भागवत कथा को लेकर निकाली गई कलश शोभायात्रा



भागलपुर (हिस)। जिले के सुलतानगंज के मिरहट्टी पंचायत में होने वाले नौ दिवसीय भागवत कथा को लेकर रविवार को कलश शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें घोड़े, डीजे के साथ काफी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। शोभायात्रा में शामिल ब्रह्मालु ने अजगेबीनाथ गंगा घाट पहुंचकर गंगा स्नान करते हुए गंगा जल भर कर नाचते झुमते हुए जय श्री राम, जय वीर हनुमान, बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए मिरहट्टी पंचायत पहुंचे। इसके बाद नौ दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान काफी संख्या में भक्त गण मौजूद थे।



खाद्य पदार्थों में कीटनाशक का इस्तेमाल रोकने में एफएसएसआई विफल, अपील पर केंद्र को नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक पदार्थों के उपयोग पर पिता व्यवत करने वाली याचिका पर केंद्र और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) से जवाब मांगा है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस संबंध में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और एफएसएसआई को नोटिस जारी किया।

शीर्ष अदालत पर्यावरणविद और वकील आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक कारण बन गया है। याचिकाकर्ता

को ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अनिता शेंना ने शीर्ष अदालत से कहा कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्र किए हैं जो कीटनाशकों के कारण होने वाली मौतों की बहुत बड़ी संख्या दिखाते हैं। उन्होंने कहा, कीटनाशकों पर अंकुश लगाने और उन्हें नियंत्रित करने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एफएसएसआई पूरी तरह विफल रहा है। शेंना ने शीर्ष अदालत को बताया, कीटनाशकों और कैंसर के बीच सीधा वैज्ञानिक और चिकित्सकीय संबंध है और ऐसे मामले देश भर में बढ़ रहे हैं।

याचिका में कहा गया है कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक कारण बन गया है। याचिकाकर्ता

को ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अनिता शेंना ने शीर्ष अदालत से कहा कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्र किए हैं जो कीटनाशकों के कारण होने वाली मौतों की बहुत बड़ी संख्या दिखाते हैं। उन्होंने कहा, कीटनाशकों पर अंकुश लगाने और उन्हें नियंत्रित करने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एफएसएसआई पूरी तरह विफल रहा है। शेंना ने शीर्ष अदालत को बताया, कीटनाशकों और कैंसर के बीच सीधा वैज्ञानिक और चिकित्सकीय संबंध है और ऐसे मामले देश भर में बढ़ रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

देश के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी, 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी



नई दिल्ली। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया। स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़ा रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित जमा घटा विशेष आह्वान अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गया। पाकिस्तान में बढ़ गया डॉलर का भंडार वहीं, अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की भले ही जबरदस्त किल्लत चल रही हो, लेकिन पिछले तीन सप्ताह से वहां बहाव है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार 35.5 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। उसके बाद फिर तीन मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह बढ़ा। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह 17.75 मिलियन डॉलर बढ़ गया। इस सप्ताह बढ़ोतरी के बाद अब वहां 14.626 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार हो गया है।

माइक्रल डेल दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर, मुकेश अंबानी एक पायदान नीचे खिसक कर 12वें नंबर पर

मुंबई। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी हाल में दुनिया के अमीरों की सूची में एक पायदान नीचे खिसक गए। उनसे आगे निकलने वाले माइक्रल डेल अमेरिका के अरबपति डेल

कांयूटर प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और सीईओ हैं। इस कंपनी में उनकी आधी हिस्सेदारी है। ब्लूमबर्ग बिलियियर इंडेक्स के मुताबिक डेल की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 34.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर हैं जबकि भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी उनसे एक स्थान नीचे 12वें नंबर पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ 110 अरब डॉलर है। बताया जाता है कि 1965 में हार्वर्ड में जन्मे डेल का सपना डॉक्टर बनने का था। उन्होंने साल 1983 में ऑस्टिन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में एडमिशन लिया। लेकिन जल्दी ही इससे उनका मन ऊब गया। उन्होंने 1,000 डॉलर से अपना स्टार्टअप शुरू किया। डेल अपने इंटरनेट रूम में ही कांयूटर एसेंबल करने लगे। इस तरह उन्होंने अपग्रेडेड पर्सनल कांयूटर और कंपोनेंट्स बेचने का काम शुरू किया। 1984 में उन्होंने कंपनी का नाम डेल कांयूटर रखा और कॉलेज छोड़ दिया। साल 1988 में वह आईपीओ लेकर आई और इस तरह नेसडेक पर डेल के शेयरों की खरीद-फरोख्त शुरू हो गई। आठ साल बाद कंपनी में उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू एक अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई। 1998 में उन्होंने अपनी निवेश कंपनी एमएसडी कैपिटल बनाई। डेल ने साल 2004 में सीईओ पद छोड़ दिया था लेकिन तीन साल बाद फिर वह इस पद पर लौटे। असल में उनके पद छोड़ने के बाद कंपनी की बिक्री में काफी गिरावट आई। साथ ही अकाउंटिंग का एक घोटाला भी सामने आया। इसके मद्देनजर बोर्ड ने डेल से फिर से सीईओ बनने का अनुरोध किया। इसके बाद उन्होंने कंपनी के कारोबार को फेलाया। पीसी और लैपटॉप के साथ-साथ कंपनी सर्वर, कांयूटर स्टोरेज और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स भी बेचने लगी। 2013 में उन्होंने कंपनी को प्राइवेट कर दिया।

वैश्विक रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी

मुंबई।

बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजार का रुख तय करेंगी। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा। विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा आम चुनाव की वजह से निवेशक अभी सतर्क रुख अपना सकते हैं। मुंबई में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के कारण शेयर बाजार बंद रहेगा।

बाजार के जानकारों ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने वाला है। कंपनियों के बेहतर नतीजे असमंजस में फंसे बाजार को कुछ राहत प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल का संबोधन है।

इससे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान और अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों तथा वैश्विक मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। सप्ताह के दौरान एएनजीसी, सेल, बीएचएल, जेके टायर, वन97 कम्युनिकेशंस, पावर ग्रिड, इंटरनेट एक्सप्लोरन, आईटीसी और एनटीपीसी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा।

भारत में पीएमआई विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का आंकड़ा आना है।



इसके अलावा ब्रिटेन के मुद्रास्फीति, अमेरिका के बेरोजगारी दावे, एमएंडपी के वैश्विक सेवा और वैश्विक विनिर्माण आंकड़े आने हैं। साथ ही घरेलू मोर्चे पर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे घोषित किए जाएंगे।

इसके अलावा निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि अगले कुछ सप्ताह में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कुछ बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में चुनिंदा लिवाली जारी रहेगी। चुनावी नतीजों और तिमाही आयोग की लेकर अनिश्चितताओं के बीच निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। पिछले सप्ताह बीएसडी का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 1252.56 अंक अर्थात् 1.7

प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 73917.03 अंक पर पहुंच गया।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 410.9 अंक यानी 1.9 प्रतिशत उछलकर 22466.10 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझोली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 1813.35 अंक अर्थात् 4.42 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 42841.10 अंक और स्मॉलकैप 2194.68 अंक यानी 4.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 47591.67 अंक हो गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई ने प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच करने को 18 मई को इंडिटी और इंडिटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया।

दिल्ली-मुंबई और बंगलूरु में क्या है सुंदर पिचई का पसंदीदा खाना, गुगल सीईओ ने खास अंदाज में बताया

मुंबई। गुगल के सीईओ सुंदर पिचई ने एओस कंपनी के संस्थापक वरुण मेया के साथ एक साक्षात्कार में अपने निजी जीवन की एक झलक पेश की। इस साक्षात्कार में उन्होंने अपने पसंदीदा भारतीय व्यंजन का भी खुलासा किया। उनसे (पिचई) जब उनके पसंदीदा भारतीय भोजन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने बड़े ही खास अंदाज में भारत के तीन मटो सिटी दिल्ली, मुंबई और बंगलूरु से एक-एक व्यंजन का नाम बताया। सुंदर पिचई ने बताया अपना पसंदीदा खाना सुंदर पिचई ने बताया कि जब वह बंगलूरु में होते हैं तो उन्हें डोसा खाना बहुत पसंद है। दिल्ली में उन्हें छोले भटूरे खाना पसंद है और मुंबई में उनका पसंदीदा व्यंजन पाव-भाजी है। उन्होंने कहा, जब वह बंगलूरु होंगे, तो मुझे यहां डोसा मिलेगा। यह मेरा पसंदीदा व्यंजन है। अगर यह दिल्ली है तो मुझे यहां के छोले बटूरे पसंद है। मुंबई में मैं पाव-भाजी के साथ जाना चाहूंगा।

3-इंडियस का भी किया जिक्र इस साक्षात्कार में बॉलीवुड की फिल्म 3-इंडियस पर भी बात की गई। सुंदर पिचई ने बताया कि असली सफलता चीजों की गहरी समझ रखने में होती है। इसे समझने के लिए उन्होंने फिल्म के मोटरसाइकिल दृश्य का संदर्भ दिया। प्रतिस्पर्धी परीक्षा मानसिकता को लेकर पूछे गए सवाल पर पिचई ने कहा, मुझे लगता है कि असली सफलता चीजों को गहराई तक समझने से मिलती है। चुनने में शुरूआत में 12 आइसक्रीम के फ्लेवर बेचना शुरू किए। उन्होंने अपनी आइसक्रीम

कामत ने चुनौतियों का सामना कर खड़ी की 400 करोड़ की कंपनी

जुहू में एक छोटी सी दुकान से शुरु किया था कारोबार



मुंबई।

नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक रघुनंदन श्रीनिवास कामत का पिछले दिनों 17 मई को 70 साल की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के एक अस्पताल में अपनी आखिरी सांस ली। उनकी पत्नी और 2 बेटे हैं। कर्नाटक के मंगलूरु इलाके से आने वाले कामत ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए देश को नैचुरल्स आइसक्रीम जैसा ब्रांड खड़ा किया। खबरों के अनुसार आज उनका बिजनेस 400 करोड़ रुपये का है। कामत के 6 भाई बहन थे। उनके पिता एक फ्रूट ट्रेडर थे। उन्होंने बचपन से ही अपने पिता के काम में हाथ बंटाया। इससे उन्हें फलों के बारे में काफी जानकारी प्राप्त हुई। वह 14 साल की उम्र में अपने गांव से निकलकर मुंबई आ गए। यहां उन्होंने अपने भाई के छोटे से रेस्टोरेंट में काम शुरू किया। रघुनंदन ने शुरूआत में 12 आइसक्रीम के फ्लेवर बेचना शुरू किए। उन्होंने अपनी आइसक्रीम

लोगों के बीच पहुंचाने के लिए एक स्टूडेंट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने मेन कोर्स पाव भाजी के साथ कॉम्प्लीमेंट्री डेजर्ट (मीठा) में आइसक्रीम देना शुरू किया। उनका आइडिया हिट रहा। लोगों को आइसक्रीम पसंद आने लगी। वह जुहू में एक छोटी सी दुकान चला रहे थे। इस दुकान ने पहले साल में 5 लाख रुपये की सेल की। इसमें आइसक्रीम का योगदान बड़ा रहा। इसके बाद रघुनंदन ने अपना पूरा फोकस की आइसक्रीम पर शिफ्ट कर दिया। उन्होंने आइसक्रीम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए। धीरे-धीरे नैचुरल्स एक स्टोर से बढ़ते हुए 2020 तक देशभर में 135 लोकेशन पर फैल गया। बिना किसी प्रेजेंटेशन व नैचुरल फ्लेवर्स से तैयार आइसक्रीम ने बड़ी-बड़ी कंपनियों को आइना दिखाना शुरू कर दिया। वित्त वर्ष 2020 में कंपनी को रैवेन्यू 400 करोड़ रुपये पार कर गया।

भारत का योगदान ग्लोबल जीडीपी में 30 फीसदी होगा: नीति आयोग के पूर्व सीईओ

नई दिल्ली।

जी-20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि 2035-2040 के बीच वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 30 प्रतिशत तक होने की संभावना है। नई दिल्ली में आयोजित एक बिजनेस समिट में कांत ने कहा कि डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश को कमजोर 5 से शीर्ष 5 में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रों में हुए भारी सुधारों के कारण पिछली तीन तिमाहियों में लगभग 8.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। कांत ने वैश्वीकरण का भविष्य: भारतीय उद्योग के लिए चुनौतियां विषय पर अपने संबोधन में कहा, 2027 तक हम जर्मनी और जापान से आगे निकल जाएंगे। विश्लेषकों का यह कहना सही है कि 2035-2040 के बीच वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान 30 प्रतिशत तक हो जाएगा। कांत ने विकास में तेजी लाने के लिए भारतीय उद्योग जगत से रफ्तार के साथ तालमेल बनाकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा कर 12-13 राज्य प्रति वर्ष 10-11 प्रतिशत की दर से विकास कर सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में



एसएंडपी की ग्लोबल रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अगले तीन वर्षों में दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र ने भी 2024 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.9 प्रतिशत कर दिया है। इसके पहले जनवरी में 6.2 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। अभी भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी इकोनमी है। उससे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान हैं। माना जा रहा है कि 2030 तक जापान और जर्मनी से भारत आगे निकल जाएगा।

इस सरकारी बैंक की ग्रोथ ने सबको किया हैरान एसबीआई और केनरा बैंक जैसे दिग्गजों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली।

वर्ष 2023-24 में ज्यादातर सरकारी बैंक डबल-डिजिट ग्रोथ हासिल करने के लिए जुड़ रहे थे। लेकिन, एक बैंक की बिजनेस ग्रोथ ने सबको हैरान किया। दरअसल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने टोटल बिजनेस और डिपॉजिट जुटाने के मामले में पब्लिक सेक्टर के सभी बड़े बैंकों को पीछे छोड़ दिया। पुणे मुख्यालय वाले बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने पिछले वित्त वर्ष में टोटल डोमेस्टिक बिजनेस में 15.94 फीसदी का उछाल दर्ज किया। वहीं, सरकारी क्षेत्र का सबसे बड़ा लेंडर-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 13.12 फीसदी की ग्रोथ के साथ दूसरे नंबर पर रहा। यह जानकारी पब्लिक सेक्टर के बैंकों के वित्तीय आंकड़ों से मिली है।

टोटल बिजनेस में एसबीआई अजबल - एसबीआई का टोटल बिजनेस यानी डिपॉजिट और एडवांस को मिलाकर 79,52,784 करोड़ रुपये रहा। यह बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मुकाबले 16.7 फीसदी अधिक है। लेकिन, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने जमा जुटाने में 15.66 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ



अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा। इसके बाद एसबीआई (11.07 प्रतिशत), बैंक ऑफ इंडिया (11.05 प्रतिशत) और केनरा बैंक (10.98 प्रतिशत) का नंबर रहा। देश में कुल 12 सरकारी बैंक हैं। इनमें सिर्फ यही चार बैंक वित्त वर्ष 2023-24 में जमा में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज कर सके। बैंक ऑफ महाराष्ट्र कम लागत वाले (करेंट अकाउंट सेविंग अकाउंट) डिपॉजिट के मामले में 52.73 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद 50.02 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया रहा। चालू खाते और वचत खातों का उच्च स्तर बैंकों को धन की लागत कम रखने में मदद करता है। अगर लोन ग्रोथ की बात करें, तो कोलकाता स्थित यूको बैंक 16.38 प्रतिशत पर थोड़ा आगे रहा। यहां बैंक ऑफ महाराष्ट्र 16.30 प्रतिशत के साथ पर था। वहीं, एसबीआई ने वित्त वर्ष 24 में 16.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष के दौरान बाकी सरकारी बैंक की लोन ग्रोथ 16 प्रतिशत से कम रही। एनपीए में भी शानदार रिकॉर्ड एसेट कालिटी के मामले में भी बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एसबीआई का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। पिछले वित्त वर्ष की समाप्ति यानी 31 मार्च, 2024 तक इनका प्रॉफिट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट क्रमशः 1.88 प्रतिशत और 2.24 प्रतिशत के साथ सबसे कम रहा। वहीं, नेट एनपीए की बात करें, तो यहां बैंक ऑफ महाराष्ट्र (0.2 प्रतिशत) के साथ इंडियन बैंक (0.43 प्रतिशत) अजबल रहा। पूंजी पर्याप्तता अनुपात में भी बैंक ऑफ महाराष्ट्र 17.38 प्रतिशत के साथ सबसे आगे था। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक 17.28 प्रतिशत के साथ दूसरे और पंजाब एंड सिंध बैंक 17.16 प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर रहा।

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

मुंबई।

दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है। कौटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कौटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था।

जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनकी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान अधिक दाम मिलने



की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है।

कौटन एसोसिएशन के नए अनुमान के मुताबिक अक्टूबर-मार्च के दौरान कौटन निर्यात

137 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख गॉट पहुंच गया था। जबकि पिछले साल की समान अवधि में निर्यात 7.59 लाख गॉट का रहा था। सीएआई के नए अनुमान के अनुसार आने वाले समय में कपास की

आवक में और कमी रहने की आशंका है क्योंकि साल 2023-24 में 323.1 लाख गॉट के उत्पादन में से लगभग 280.6 लाख गॉट की आवक हो चुकी है।

चायदा बाजार में भी कौटन के भाव में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। एसएमसी कोमोडिटी रिसर्च के अनुसार फिलहाल एमसीएस पर कपास 56,000-57,500 प्रति कैंडी (355 किलोग्राम की एक कैंडी होती है) के भाव कारोबार करता दिख रहा है। दूसरी ओर, कौटन (अप्रैल 2025) चायदा की कीमतें 1,530-1,580 के दायरे में कारोबार रहने की आशंका है।

महाराष्ट्र की मंडियों में कौटन के भाव में लगातार गिरावट जारी है। हालांकि इस साल कपास के कम उत्पादन के अनुमान को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमतें 2021 और 2022 की तरह 9,000 से 12,000 रुपये प्रति क्विंटल तक जा सकती हैं।

कपास की कीमतों पर क्या है वैश्विक अनुमान

एक आमत से शुरू होने वाले 2024-25 सीजन में ब्राजील और तुर्की के साथ अमेरिका में

कौटन की फसल अधिक होने की उम्मीद से वैश्विक कौटन की कीमते घट रही हैं। फिच साल्लियशन रिसर्च एजेंसी बीएमआई का कहना है कि वैश्विक कौटन बाजार में मंदी की भावना काफी हद तक 2024-25 में उत्पादन में सुधार विशेषकर अमेरिका में अधिक उत्पादन की उम्मीद के कारण है।

वहीं, अमेरिकी कृषि विभाग यूएसडीए के अनुसार 2024-25 सीजन में अमेरिका में कौटन का उत्पादन बढ़कर 160 लाख गॉट (204.9 गॉट 170) किलोग्राम होने का अनुमान है। अरबों सीजन में वैश्विक उत्पाद 11.90 करोड़ अमेरिकी गॉट (217.72 किलोग्राम) होने का अनुमान है।

यूएसडीए को उम्मीद है कि अमेरिका, ब्राजील और तुर्की में कपास की अच्छी फसल चीन और भारत में कम फसल की भरपाई कर देगी। अमेरिका में अच्छी फसल के कारण इस साल फरवरी से कपास की कीमते घट रही हैं। इस वजह से भारत में भी कपास की कीमतों पर असर पड़ा है। ऑल इंडिया कॉन्जुम ब्रोकर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष माऊनू दास का कहना है कि भाव 57,500 से 59,000 प्रति कैंडी की रेंज में स्थिर रह सकता है।



ये दिग्गज खिलाड़ी कभी नहीं जीत पाए टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का खेला जाएगा 9वां संस्करण

नई दिल्ली।
हम आपको 5 ऐसे दिग्गज खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल तो जीता लेकिन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लगी। ब्रैंडन मैकलम की गिनती टी20 क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाज के रूप में होती है। वह टी20 इंटरनेशनल में एक हजार और दो हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज थे।

इसके बाद भी कभी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। वहीं 2012 में आईपीएल जीतने

वाले केकेआर टीम में वह थे। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के साथ आईपीएल का खिताब जीता था। वह चेन्नई के साथ भी लॉग आईपीएल में वह 2010 में चैंपियन बनने खेलते हुए वह टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रिम स्मिथ भी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। उनकी कप्तानी में टीम ने का प्रदर्शन दमदार रहा लेकिन वह कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई। हालांकि राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए

स्मिथ ने आईपीएल जीता था। मुंबई में मुरलीधरन ने पहले तीन टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। 2009 में उनकी टीम फाइनल में पाकिस्तान से हार गई। वहीं आईपीएल में वह 2010 में चैंपियन बनने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे। सुरेश रैना 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उसके बाद 2009 से 2016 तक सभी ट्रॉफियों में वह टीम में थे लेकिन भारत को किसी में जीत नहीं मिली। रैना को मिस्टर आईपीएल कहा जाता

है और वह 2010, 2011, 2018 और 2021 में विजेता बनने वाली चेन्नई का हिस्सा थे। बता दें कि 2007 में पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला गया था। उसके एक साल बाद 2008 में आईपीएल का शुरुआत हुई। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग मानी जाती है। वहीं वर्ल्ड कप इंटरनेशनल टी20 का सबसे बड़ा ट्रॉफी है। हर खिलाड़ी दोनों को जीतने का सपना दिखता है। अभी आईपीएल का 17वां सीजन चल रहा है। वहीं 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण खेला जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

केवल सभ्य पहलवानों को छत्रसाल स्टेडियम में पुनः प्रवेश की अनुमति : कोच



नई दिल्ली। केवल सभ्य पहलवानों को उत्तर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में पुनः प्रवेश की अनुमति दी गयी है। प्रशासन ने कुछ दिन पहले एक कोच के साथ मारपीट की घटना के बाद स्टेडियम बंद करने और सभी पहलवानों को परिसर खाली करने का निर्देश दिया था। एक मई को कुछ रिपोर्टों में बताया गया था कि एक कुश्ती कोच को स्टेडियम में एक प्रशिक्षक पहलवान और उनके मित्रों ने मामूली झड़प के बाद बुरी तरह पीट दिया था। इस घटना के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और स्टेडियम के सभी कमरों को बंद करते हुए पहलवानों को परिसर छोड़ने का आदेश दिया था। लेकिन अब कुछ पहलवानों को अपनी ट्रेनिंग के लिए स्टेडियम लौटने की अनुमति दी गयी है। लगभग 150 पहलवानों को अनुमति दी गयी है लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गयी है जिन्होंने स्टेडियम में हड़दंग किया था। प्रशासन अब उन पर नजदीकी नजर रख रहा है। कोच ने अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा, 'इससे पहले रवि दहिया, अमन सहरावत और दीपक पुनिया को रुकने की अनुमति दी गयी थी और बाकी सबको वापस पर भेज दिया गया था। सुर्जो ने कहा, कोच जयवीर सिंह दहिया के साथ जो कुछ भी हुआ वह चौकाने वाला था। हम उम्मीद करते हैं कि वह चोटों से जल्दी उबर जाएंगे। इससे पहले खबर दी गयी थी कि एक पहलवान ने अपने दोस्तों की मौजूदगी में दहिया को बुरी तरह पीट दिया था। कोच बुरी तरह घायल हो गए हैं लेकिन दहिया ने शिकायत दर्ज नहीं कराई और कहा कि वह सीढ़ियों से गिर गए थे।

चेन्नईयन एफसी ने युवा मिडफील्डर जितेश्वर सिंह का बढ़ाया अनुबंध



चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद चेन्नईयन एफसी ने जितेश्वर सिंह का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाया दिया है, जो उन्हें 2025 तक मरीना मचान्स में बनाए रखेगा। मणिपुर का 22 वर्षीय मिडफील्डर, जिसने 2022 में चेन्नईयन एफसी के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में डेब्यू किया है, का लीग के हाल ही में समाप्त हुए सीजन में वलब के शानदार प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने न केवल 25 सफल टैकल किए हैं, जो सीजन में चेन्नईयन के लिए सबसे अधिक हैं बल्कि मैदान पर अपनी गुणवत्ता दिखाते हुए 14 इंटरसेप्शन भी दर्ज किए। एक और सीजन के लिए चेन्नईयन एफसी में रहना रोमांचक है। इस सीजन में प्लेऑफ के लिए छालीफाई करने के बाद हमारा लक्ष्य अगली बार और भी अधिक हासिल करना है। यह वलब मेरे लिए कुछ बेहतरीन कोचों और खिलाड़ियों से सीखने और बढ़ने के लिए एकदम सही माहौल है। जितेश्वर ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति की है और अपने करियर में आगे बढ़ने का इरादा रखता हूँ। जितेश्वर ने चेन्नईयन के लिए सभी प्रतिस्पर्धाओं में कुल 44 मैच खेले हैं, जिसमें पिछले सीजन में 23 मैच शामिल हैं।

प्रणवी, दीक्षा सहित तीन भारतीयों ने जर्मन मास्टर्स में कट पार किया



ब्रैंडनबर्ग (जर्मनी)। इस सप्ताह शुरुआत करने वाली सात भारतीयों में से तीन गोल्फर जर्मन मास्टर्स में दो राउंड के बाद कट पार करने में कामयाब रही। इन तीन खिलाड़ियों में नवोदित खिलाड़ी प्रणवी उर्स, दो बार की एलटीटी विजेता दीक्षा डगार और त्वेसा मलिक शामिल हैं। प्रणवी (73) और दीक्षा (73) दो राउंड के बाद तीन ओवर के स्कोर और संयुक्त 30वें स्थान पर हैं जबकि त्वेसा (77) पांच ओवर के स्कोर और संयुक्त 55वें स्थान के साथ कट पार करने में कामयाब रहे। कट पांच ओवर के स्कोर पर लगाया गया और 66 खिलाड़ी कट पार कर फाइनल राउंड में जाने में सफल रही। खेहा सिंह (75) एक शॉट से, वाणी कपूर (77) तीन शॉट से और अमनदीप द्राव (78) पांच शॉट से कट पार नहीं कर पाई (अवधि प्रशांत ने दूसरे दौर के बीच से ही अपना नाम वापस ले लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बनी विजेता, लियू और चेन को हराया, जीता नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब



बैंकॉक।
सात्विकसाईराज रेंकोरडू और चिराग शेटी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन ट्रॉफी में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस तरह इस स्टार भारतीय जोड़ी ने इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को पुष्टा किया।

जीता सीजन का दूसरा खिताब - पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुष्टा करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर फाइनल में 21-15, 21-15 से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी का यह सीजन का दूसरा और करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750

खिताब जीता था। दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप नहीं खेल सके। थॉमस कप में भी वे अच्छे डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस तरह इस स्टार भारतीय जोड़ी ने इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को पुष्टा किया।

भारतीय जोड़ी को चुनौती नहीं दे सके चेन-लियू - चीनी जोड़ी एक भी गेम गंवाए बिना थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंची थी। लियू और चेन ने भी फाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन भारतीय जोड़ी के शानदार फॉर्म का उनके पास कोई जवाब नहीं था। सात्विक और चिराग ने जल्द ही 5-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद चेन और लियू ने लगातार चार अंक

लेकर वापसी की। जब स्कोर 7-7 था तब चीनी जोड़ी ने 39 शॉट की रेली लगाई और 10-7 से बढ़त बना ली। उन्होंने कुछ लंबी रैलियां लगाईं, लेकिन चिराग ने तुफानी रिटर्न के जरिये स्कोर 10-10 कर लिया। ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने 14-11 की बढ़त बनाई। यह बढ़त जल्दी ही 16-12 की हो गई। चीनी जोड़ी ने तीन अंक बनाए लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार पांच अंक लेकर गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 8-3 के साथ शुरुआत की और ब्रेक तक पांच अंक की बढ़त बनाए रखी। चेन और लियू ने तीन अंक लगातार बनाए, लेकिन सात्विक ने उनको लय तोड़ी। जब स्कोर 15-11 था तब सात्विक को खेल में विलंब करने पर चेतावनी मिली और चिराग ने दो अंक गंवाए जिससे चीनी जोड़ी ने 15-14 की बढ़त बना ली।

एलोरा कप में भारत के नाम 12 पदक, निकहत-मीनाक्षी ने स्वर्ण जीता



नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मीनाक्षी ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। भारतीय टीम ने एलोरा कप मुक्केबाजी में अपना अभियान सर्वश्रेष्ठ 12 पदकों के साथ खत्म किया। निकहत और मीनाक्षी के स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पिछले सत्र से काफी बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले सत्र में पांच पदक अपने नाम किए थे। निकहत (52 किग्रा) ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी में अपना दबदबा जारी रखते हुए कजाकिस्तान की जजीरा उराकबायेवा को 5-0 के स्कोर से हराकर अपने प्रभावशाली करियर में एक और स्वर्ण पदक जोड़ा। मीनाक्षी ने दिन की शानदार शुरुआत करते हुए महिलाओं के 48 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की रहमोनोवा सेनाहोव को 4-1 से हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान रजत पदक के साथ समाप्त हुआ। अनामिका ने मौजूदा विश्व और एशियाई चैंपियन चीन की वू यू को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

परवीन के निलंबन के बाद ओलंपिक क्वालिफायर के 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेगी जैस्मिन



नई दिल्ली।
मुक्केबाज परवीन हुड्डा के निलंबन के वजह से भारत ने 57 किग्रा वजन वर्ग का पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर जीता था। हालांकि, अब जैस्मिन लाम्बोरिया थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। विश्व डॉपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा, ठिकाने की जानकारी देने में विफल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा कोटा विजेता परवीन को निलंबित किए जाने के बाद जैस्मिन थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। जैस्मिन पहले क्वालिफायर और पिछले साल हांगकॉंग एशियाई खेलों में 60 किग्रा में खेले थीं। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा में कांस्य पदक जीता था। पिछले साल एशियाई खेलों में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने

ठिकाने की जानकारी नहीं दी थी, जबकि वाडा नियमों के तहत यह जानकारी देना अनिवार्य है। यही वजह है उन पर 22 महीने का निलंबन लगाया गया है। इस संबंध में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, परवीन हुड्डा को ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा 22 महीने के लिए निलंबित किया गया है। हालांकि संबंधित एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद, परवीन की सजा कम कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, अब उन्हें 14 महीने का निलंबन झेलना होगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, कई चुकौतों के बाद आईटीए ने परवीन पर एक प्रतिबंध लगा देने का प्रस्ताव दिया है जिसमें 22 महीने की अयोग्यता अवधि लागू करना शामिल है। इसे अब छह महीने पीछे की तारीख में कर दिया गया है। अब यह प्रतिबंध 17 मई 2024 से शुरू होकर 14 महीने का होगा। इसका अर्थ है कि परवीन इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस खेलों में भाग नहीं ले पाएंगी।

भारतीय टीम का कोच बनना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक भी, ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर ने एक सवाल के जवाब में कही यह बात

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के कोच बनने पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का कोच बनना क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है और अगर समय सही नहीं हो तो यह थकाऊ काम भी हो सकता है। आईपीएल सीजन में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे लैंगर से कई बार में पूछा गया कि क्या वह भारत का कोच बनने के इच्छुक हैं चूंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है।

लैंगर ने कहा कि यह क्रिकेट का सबसे बड़ा काम है, भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना। उन्होंने कहा कि एक तो इतना ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है और दूसरा अपेक्षाओं का दबाव। यह काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन रोमांचक भी होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सही समय की जरूरत है। मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ करीब चार रहा। ये काफी थकाऊ काम है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि राहुल



द्रविड़ भी यही कहेंगे और रवि शास्त्री भी यही कहेंगे। भारतीय टीम पर जीतने का दबाव बहुत ज्यादा है। उम्मीद है कि जो भी अगला कोच होगा, वह इसे लेकर काफी रोमांचित होगा। लैंगर ने आईपीएल के दबाव की तुलना विश्व कप से करते हुए कहा कि यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ धरतल लीग है। उन्होंने कहा इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इतने अच्छे खिलाड़ी और टीम हैं। प्रदर्शन का भारी दबाव रहता है। यह विश्व कप की तरह ही है और दबाव भी वैसा ही रहता है। मुझे आईपीएल इतना पसंद है कि अब घर जाते हुए बुरा लग रहा है।

50 से भी कम का स्ट्राइक रेट, आक्रामक पारी खेल रहे बैटर को कराया रन आउट; धोनी फैंस का दिल तोड़ने वाला विलेन

नई दिल्ली।
चेन्नई सुपरकिंग्स के आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने के अरमान टूट गए। रतुगार गायकवाड़ के नेतृत्व वाली सीएसके को आईपीएल 2024 के 68वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 27 रन की शिकस्त मिली। इस वरचुल्ले नॉकआउट मुकाबले को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच गई।

चेन्नई सुपरकिंग्स को प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मैच जीतने की जरूरत थी नहीं थी। उसे जरूरत थी कि 201 रन बना ले ताकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में क्वालीफाई कर जाए। मगर सीएसके की नैया शिवम दुबे ने डुबा दी, जिन्होंने पूरे ट्रॉफी में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से फैंस का दिल जीता था।

दुबे का फ्लॉप प्रदर्शन - शिवम



दुबे से बेहतर प्रदर्शन की सीएसके को सबसे ज्यादा जब जरूरत थी, तभी वो फ्लॉप हुए। दुबे ने 15 गेंदों में सात रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 46.66 का रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज एक भी

गेंदों के भीतर विकेट गिरे, जिससे सीएसके को तगाड़ झटका लगा। काफी मशकत करने के बाद 219 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 191 रन बना सकी। सोशल मीडिया पर यूजर्स शिवम दुबे को सीएसके की हार का दोषी ठहराते हुए उन्हें सबसे बड़ा विलेन करार दे रहे हैं।

आरसीबी ने रचा इतिहास - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौजूदा सीजन में लगातार छठी जीत दर्ज करके प्लेऑफ में जगह बनाई और इतिहास रच दिया। आईपीएल इतिहास में ऐसी कोई टीम नहीं, जिसने शुरुआती 8 मैच में केवल एक मैच जीता और फिर प्लेऑफ में जगह बनाई यह कमाल केवल आरसीबी की टीम ही कर पाई है।

टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारतीय टीम का पहला जत्था 24 मई को मरेगा उड़ान

नई दिल्ली।
अगले महीने 2 जून से टी20 वर्ल्ड कप का नौवां एडिशन वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होगा। टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमों हिस्सा ले रही हैं। 24 मई को भारतीय टीम का पहला जत्था विश्व कप के लिए उड़ान भरेगा। जो टीमों आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची हैं, उनमें शामिल वर्ल्ड कप के लिए भारतीय खिलाड़ी बाट में जाएंगे।

भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में विश्व कप खेलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों दिग्गजों का यह आखिरी टी20 विश्व कप हो सकता है। ऐसे में दोनों इस विश्व कप को अपने धमाकेदार प्रदर्शन से



यादगार बनाना चाहेंगे। टी20 विश्व कप में सुरेश रैना इकलौते भारतीय हैं जिनके बल्ले से शतक आया है। विराट और रोहित के दोनों दिग्गजों का यह आखिरी टी20 विश्व कप हो सकता है। ऐसे में दोनों इस विश्व कप को अपने धमाकेदार प्रदर्शन से

था। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक ठोका था। उस एडिशन में दो बल्लेबाजों ने शतक जमाए थे। रैना के अलावा श्रीलंका के दिग्गज माहेला जयवर्धने ने भी एक शतकीय पारी खेली थी। रैना ने 60 गेंदों पर 9 चौकों और 5

छक्कों की मदद से शतक ठोका था। ग्रेस आइलैंड में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 14 रन से विजयी रही थी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अभी तक 11 शतक लगे चुके हैं। इस ट्रॉफी की शुरुआत 2007 में की गई थी। टी20 विश्व कप के पहले एडिशन में सिर्फ एक शतक विंडीज के धुरंधर क्रिस गेल ने लगाया था। आईसीसी के इस मेगा ट्रॉफी में गेल के नाम सर्वाधिक 2 शतक जड़ने का रिकॉर्ड है जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाज ये कारनामा कर चुके हैं। टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकलम के नाम है। मैकलम ने 72 गेंदों पर 123 रन की पारी खेल चुके हैं। विराट कोहली का टी20 विश्व कप में सर्वाधिक स्कोर नाबाद 89 रन है। वह 27 मैचों में सर्वाधिक 1141 रन बना चुके हैं। उनके नाम 14 अर्धशतक दर्ज हैं वहीं रोहित शर्मा का टी20 विश्व कप में सर्वाधिक निजी स्कोर 79 रन रहा है।

लीस पर 2-0 की जीत के साथ अटलांटा की चैंपियंस लीग में वापसी, चार्ल्स डी केटेलेयर ने 48वें मिनट में दागा गोल

रोमा। अटलांटा ने सीरी ए में लीस को 2-0 से हराकर तीन साल बाद चैंपियंस लीग के अगले सीजन के लिए जगह पक्की की। पहले हाफ में गोल रहित बराबरी के बाद अटलांटा ने गतिरोध को तोड़ दिया। चार्ल्स डी केटेलेयर ने 48वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल किया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही मिनट बाद अटलांटा ने ब्रिटन दोगुनी कर ली, जब जियानलुका स्क्रामाका ने 53वें मिनट में टीम के लिए दूसरा गोल किया. 2-0 से पीछे चल रही लीस के लिए यहां से कमबैक करना नामुमकिन है और मैच के निर्धारित समय के बाद भी स्कोर यही रहा। अगले सीजन में चैंपियंस लीग में कम से कम पांच इतालवी टीमों की उपस्थिति के साथ, पांचवें स्थान पर मौजूद अटलांटा को अब उठे स्थान पर मौजूद रोमा पर छह अंकों की बढ़त है. दो राउंड शेष रहते हुए, अटलांटा ने रोमा के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड के आधार पर पहले ही शीर्ष पांच में जगह बना ली है। एक अन्य मुकाबले में एसी मिलान जो पहले ही दूसरा स्थान हासिल कर चुका था, उसे टोरिनो के खिलाफ 3-1 से हार झेलनी पड़ी।



कहा जाता है कि उम्र महज एक नंबर के सिवा और कुछ भी नहीं। लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीते हैं। वहीं, सही तौर-तरीके नहीं अपनाने से जवानी जल्दी ढलने लगती है। असमय आने वाले बुढ़ापे से बचना चाहते हैं, तो कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानना जरूरी है...

फैट को कटाने के लिए: फैट के लिए बहुत ही गलत सोच लोगों के बीच बनी है। बल्कि यह हड़ियों की सेहत के लिए बहुत

लंबे समय तक युवा बने रहने की चाहत है...

ही जरूरी है। बस ध्यान रखें कि ये फैट आपके शरीर में एक्स्ट्रा जमा न हो।
स्ट्रेमिना बढ़ाएं: स्ट्रेमिना अगर अच्छी हो तो लंबी उम्र तक कोई भी समस्या छू तक नहीं पाएगी। इसके लिए रोज खाने में अंडे, पनीर, बीन, दालें जैसी चीजें शामिल करें जो स्ट्रेमिना को मजबूत बनाएंगे।

पानी पिएं: हर किसी को दिनभर में 3-4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। पानी पीने की आदत हमेशा के लिए बनाएं, क्योंकि ये शरीर में अंगों के सुचारु रूप से चलने के लिए बहुत ही मददगार है।
खाने की आदत सुधारें: आप कितने भी बिजी क्यों न हों, खाना कभी न छोड़ें। इसके अलावा नाश्ता कभी भी मिस न करें। खाने में हमेशा ऐसी चीजें रखें जिनसे बॉडी को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलें।

भूरी वसा पर नियंत्रण से शीघ्र घटेगा वजन

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं, तो सामान्य सफेद वसा के बजाय भूरी वसा पर अपना ध्यान केंद्रित कीजिए। शोधकर्ताओं के मुताबिक, भूरी (ब्राउन) वसा उपापचय (मेटाबॉलिज्म) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेंथ इंजरायल डिकोनेस मेडिकल सेंटर के शोधार्थी इवान ने कहा कि यदि इन वसा कोशिकाओं की संख्या या गतिविधि को नियंत्रित कर पाएं, तो हम शरीर से अतिरिक्त कैलोरी को कम कर सकते हैं।



खूब हंसिए

बदल जाएगी जिंदगी

हंसते-मुस्कुराते चेहरे वाले लोग अधिक स्वस्थ भी होते हैं। हंसी के अंदर छुपे सेहत के इस राज ने ही तो हंसी को एक चिकित्सा का रूप दिया है। अगर आप तनाव या अवसाद से परेशान रहते हैं तो यह हंसी आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। तो क्यों न अपनी सेहत की खातिर थोड़ा हंसा जाए, खुल कर हंसने से आप युवा और खूबसूरत तो नजर आते ही हैं, साथ ही हंसी सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती है। हंसते समय जब किसी व्यक्ति की पूरी बत्तीसी दिखती है तो उसे खुल कर हंसना या ब्राइट स्माइल कहते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध में ये तथ्य उभर कर सामने आए हैं कि मुस्कुराने की बजाए जोर से ठहाका मार कर हंसना सिरदर्द के लिए दवा का काम करता है, इससे दिमाग में एंडोर्फिन का स्तर बढ़ता है, जो दिमाग में दर्द को हलवा देने वाले जटिल रसायनों को नियंत्रित करता है और हमें दर्द से राहत मिलती है। शोध के अनुसार 15 मिनट तक किया गया हंसी-मजाक दर्द को बर्दाश्त करने की क्षमता को 10 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।

खाने का भी ख्याल रखें

खुश रहने के लिए खाने से अच्छा टॉनिक कोई नहीं है। ओमेगा 3 फैटी एसिड और विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन का शिकार बनाती है। जिस तरह से शरीर को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मस्तिष्क को भी पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, स्वस्थ वसा मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाए 5 या छह बार मिनी मील खाएं। इससे रक्त में शुगर का स्तर कम नहीं होता, जो नकारात्मक रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करता है।

हंसना सबसे अच्छी दवा

खुल कर हंसने से धमनियों में फैलाव आता है, जिससे खून तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों में पहुंचता है। हंसी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है और हमारे शरीर की एंटीबॉडी को मजबूत करती है। हंसी शरीर में स्वस्थ शारीरिक परिवर्तन लाती है। हमारी ऊर्जा बढ़ती है, दर्द और तनाव कम करती है। खुश रहना शरीर को संतुलित रखता है। हंसने से एंडोर्फिन का स्तर बढ़ता है। यह शरीर का प्राकृतिक फीलगूड रसायन है। एंडोर्फिन हमें सब कुछ ठीक होने का एहसास कराता है और थोड़े समय के लिए दर्द से राहत भी देता है। हंसी रक्त नलिकाओं की कार्यप्रणाली को सुधारती है और रक्त का प्रवाह बढ़ाती है, जिससे हार्ट



अटैक और कार्डियोवैस्क्यूलर की आशंका कम हो जाती है।

नाकारात्मक में भी साकारात्मक

हंसी हमें सिर्फ शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रखती है। हंसी आपको कठिन परिस्थितियों में भी साकारात्मक रखती है। आपको यह जल्दी से जल्दी समझ लेना चाहिए कि हंसी के बिना आपका दिन अधूरा है। आपका खिलखिलाता चेहरा आपके व्यक्तित्व को भी आकर्षक बनाता है।

लाफ्टर थेरेपी

जब हम हंसते हैं तो हमारी बॉडी रिलैक्स हो जाती है। ठहाके लगाना ही जरूरी नहीं है, मुस्कुराहट भी काम कर जाती है। प्रसिद्ध अमेरिकन साइकिएट्रिस्ट, डॉ. विलियम फ्राय पिछले चार वर्षों से अपने मरीजों के उपचार के लिए हंसी को एक थेरेपी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि हंसी शारीरिक बीमारियों और मानसिक तनावों से लड़ने का एक अच्छा नुस्खा है। वह अपने सभी मरीजों को दिन में दो बार करीब बीस मिनट तक हंसने की सलाह देते हैं।



मजेदार बात, कॉमेडी या चुटकुले के हंस सकता है। लाफ्टर योगा की अवधारणा इस वैज्ञानिक तथ्य पर आधारित है कि शरीर कुत्रिम और वास्तविक हंसी में फर्क नहीं कर सकता। दोनों ही तरीकों से हंसने में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। लाफ्टर योगा की तकनीक पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और अमेरिका में कई शोध हुए और यह बात उभर कर सामने आई कि इससे तनाव बढ़ने वाले हार्मोन्स (एपिनेफ्रिन और कॉर्टिसोल आदि) का रक्त में स्तर घटता है। इससे मानसिक रूप से सकारात्मक बदलाव आते हैं। शरीर में इन हार्मोन्स का स्तर बढ़ने से अवसाद की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। लाफ्टर योगा वजन कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 20 मिनट तक इसका अभ्यास करने से करीब 215 कैलोरी बर्न होती है।

तथ्य और आंकड़े

- एक बच्चा दिन में 400 बार मुस्कुराता है, युवा 17 बार और वयस्क 1-2 बार।
- ब्रिटेन की वारिक यूनिवर्सिटी में हुए शोध के अनुसार अगर गर्भावस्था के दौरान मां कई बार मानसिक तनाव झेलती है तो जन्म लेने वाला बच्चा झगड़ालू होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के ज्यादातर बड़े शहरों में अवसाद की समस्या तेजी से फैल रही है।
- भारत जैसे विकासशील देश में 10 पुरुषों में से एक व 5 महिलाओं में से एक अपनी जिंदगी के किसी न किसी पड़ाव पर अवसाद का शिकार बनते हैं।
- अकेले होने की बजाए किसी के साथ होने पर हंसने की संभावना 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।
- बचपन में अवसाद की समस्या लड़कियों और लड़कों में समान अनुपात में होती है, लेकिन किशोरावस्था में यह अनुपात 2:1 हो जाता है।
- दिल से हंसी हुई हंसी तनाव को कम करती है और आपके शरीर को अगले 45 मिनट तक रिलैक्स रखती है।

हास्य योग

हास्य योग की शुरुआत मुंबई के एक प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. महन कटारिया ने 13 मार्च 1995 को मुंबईर लोगों के साथ की थी। आज यह पूरे विश्व में फैल गया है। वर्तमान में 60 देशों में 6000 से ज्यादा लाफ्टर क्लब हैं। हास्य योग में बिना किसी शर्त के प्राणायाम (योगिक ब्रीदिंग) के साथ खुल कर हंसा जाता है। कोई भी बिना किसी कारण, बिना किसी

इतना मुश्किल भी नहीं काम के दबाव से खुद को बचाना

स्ट्रेस मैनेजमेंट से बढ़ाएं कार्यक्षमता

कभी-कभी हमारे सामने बहुत सारा काम एक साथ आ जाता है, काम का दबाव बढ़ने लगता है और ये दबाव ही मानसिक तनाव पैदा करता है। तनाव में अक्सर गलतियां हो जाती हैं, लेकिन ऐसे समय में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो ये तनाव भी हमारी योग्यता को बढ़ा सकता है। यदि हम तनाव को एक चुनौती मानकर काम करेंगे तो निश्चित ही इससे हमारी योग्यता व कार्यक्षमता बढ़ेगी व सफलता प्राप्त होगी।

कोई काम करते हुए दबाव बन जाना स्वाभाविक है, लेकिन तनाव में आ जाना ठीक नहीं। हमें प्रेशर और टेंशन के बीच के फर्क को समझना चाहिए। तनाव को सांसारिक दृष्टिकोण से देखेंगे तो हम पाएंगे कि इसकी वजह से हमारे आसपास नकारात्मक ऊर्जा एकत्रित हो गई है, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि देखेंगे तो तनाव से भी सकारात्मक संकेत प्राप्त होंगे। यही सकारात्मक दृष्टि हमारी कार्यक्षमता और योग्यता को बढ़ा सकती है।

इस तरह करें दूर

तनाव दूर करने के लिए एक प्रयोग किया जा सकता है। जब तनाव आए तो अपनी इंद्रियों पर लौट जाइए यानी ध्यान (मेडिटेशन) करें। उदाहरण के तौर पर जैसे आंख हमारी एक इंद्रिय है। हम आंखें बंद करें और पूरी तरह से उसी पर एकाग्र हो जाएं। यह एक आध्यात्मिक व्यवस्था



है कि सभी इंद्रियां भीतर से अपने परिणामों को लेकर आपस में जुड़ी हुई हैं। हम जिस समय आंख नाम की इंद्रिय पर नियंत्रण करेंगे तो हम पाएंगे कि कान पर भी हमारा नियंत्रण शुरू हो गया। हम आंख से जो भीतर देख रहे होंगे, कान से भी वही सुनने लगेंगे। यह एक नया अनुभव रहेगा। यह आंतरिक अनुभव हमें बाहरी तनाव से मुक्त करेगा।

दौड़ से न हों बाहर

बाहर का काम तो होना ही है, आप नहीं करेंगे तो कोई दूसरा करेगा, लेकिन तनाव से परेशान होकर काम करेंगे तो आप उस दौड़ से या तो बाहर हो जाएंगे या लड़खड़ाकर गिर जाएंगे। अंतिम सफलता या तो असफलता में बदल जाएगी या अशांति में। अतः तनावमुक्त होने के लिए अपनी इंद्रियों पर लौटने का यह छोटा-सा प्रयोग करते रहें।

रेसिपी



मारवाड़ी गट्टे का पुलाव

सामग्री

2 कप बेसन, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च, 1 बड़ा चम्मच धान चूकोर कटा, 2 प्याज पिसे, 4-5 कलियां लहसुन पिसी, 1 इंच टुकड़ा अदरक का कसा हुआ, 4-5 बड़ी इलायची, 4-5 छोटी इलायची, 2 छोटे टुकड़े दालचीनी, 4-5 लींग 5-6 साबुत कालीमिर्च, चुटकीभर हींग, 2 छोटे चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरममसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 धनियापत्ती कटी, 1/2 हरीमिर्च कटी हुई, 1/4 कप घी, 1 कप चावल, नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन को छान कर उस में नमक, लालमिर्च, अजवाइन और इच्छानुसार चूकोर कटी प्याज डाल कर पानी की मदद से बेसन का रोल बना कर भाप में पकाएं। पानी से निकाल कर अलग रखें व टंडा होने पर गोलगोल कतले काटें। घी गर्म करें व सुनहरा लाल होने तक तल कर अलग रखें। अब फिर से घी गर्म करें व लालमिर्च और साबुत खड़ा गरममसाला डाल कर चटकाएं। दही में सारा पाउडर मसाला व नमक डालें। पिसी प्याज, लहसुन व अदरक डाल कर अच्छी तरह से भूनें। गट्टे वाला उबला पानी लगभग 2 1/2 घाले डाल कर उबालें व गट्टे गलाएं। 1 बड़ा चम्मच तेल या घी गरम करें। 2-3 तेजपते डाल कर करारें फिर चावल और गट्टे डाल कर ढक कर पुलाव तैयार करें। गार्निश विधि: कटी हरी मिर्च व धनिया पत्ती से सजा कर परोसें।



विधि

कच्ची केरी की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में पानी भर लें। बाद में उसमें कट्टे हुए कच्चे आम के टुकड़े डाल दें। अब इसे गैस पर तब तक उबालते रहें जब तक आम गल न जाए। इसके बाद एक और कटोरा लेकर उसमें थोड़ा पानी और गुड़ डाल कर अच्छे से मिलाकर पेस्ट बना लें। पेस्ट बनाने के बाद इस पानी को छान कर अलग रख लें। अब गैस पर रखे आमों को देखें कि वह गल गए हैं। अगर गल गए हैं तो उन्हें पानी में से निकाल कर अलग कर लें और मिक्सी के जार में डाल कर पीस लें। पीसने के बाद मिक्सी में लाल मिर्च और घिसा नारियल भी डाल कर पेस्ट बना लें। अब एक पेन लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डाल कर गर्म करें और उसमें राई और कड़ी पत्ती डाल दें। बाद में इसमें गुड़ वाला सारा पानी और आम का पेस्ट डाल कर अच्छे से उबालें। इसके बाद इसमें एक कप पानी और थोड़ा सा नमक डालें। अब आपकी कच्ची केरी की सब्जी बना कर तैयार है। आप इसे सजाने के लिए इस पर कटी हुई हरी धनिया छिड़ लें। इस कच्ची केरी की सब्जी को आप चावलों और रोटी के साथ खा सकते हैं।

कच्ची केरी की सब्जी

सामग्री

कच्चा आम 1 कप, चॉप किया हुआ गुड़ 1/2 कप, लाल मिर्च 5-6, राई 1/2 चम्मच, कड़ी पत्ती- 8-10, घिसा नारियल 1/2 कप, हरी धनिया 4-5, नमक स्वादानुसार

वजन कम करने के लिए इन 4 तरीकों से वॉक कर

वजन बढ़ने में बिल्कुल समय नहीं लगता, लेकिन उसे घटाने में महीनों लग जाते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक वजन घटाने में रनिंग से ज्यादा वॉकिंग असरदार होती है। रोजाना 30 मिनट की वॉक से भी वजन धीरे-धीरे घटाया जा सकता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके जिनसे आप अपनी रोज की वॉक को असरदार और मजेदार बना सकते हैं।

ट्रेक यॉर प्रोग्रेस

एक अच्छा फिटनेस ट्रेकर खरीदें, जिससे आपको समय-समय पर पता चलता रहेगा कि आप क्या सही और क्या गलत कर रहे हैं। इसके अलावा आपको अलर्ट भी मिलते रहेंगे कि हर दिन कितनी वॉक की आपको जरूरत है। इसके अलावा चाहें तो कोई एप भी ट्राई कर सकते हैं।

म्यूजिक थेरेपी

ये आपको बोरिंग वॉकिंग को मजेदार बना देगी। इससे वॉक करने का आपको और भी मजा आएगा। वहीं दिन की शुरुआत या पूरे दिन की थकान के बाद हल्की-फुल्की वॉक और म्यूजिक जादू के जैसे काम करेगा। इससे आप बहुत ही अच्छे और लाइट महसूस करेंगे।

ट्राई समथिंग न्यू

हमेशा कुछ अलग या नया करने की कोशिश करें। जैसे, जब रेग्युलर वॉक के आदी हो जाएं तो उसमें कुछ एक्सरसाइज शामिल करें। इसके अलावा रोज कहीं नई जगह वॉक के लिए जाएं, इससे घूम भी पाएंगे और वॉक भी मजेदार बन जाएगी।

मेडिटेशन

ऐसा जरूरी नहीं है कि मेडिटेशन बैठकर ही किया जाए। आप वॉक करते हुए भी मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके लिए अपनी बॉडी, चैरों और सांसों पर ध्यान देते हुए उन्हें साधने की कोशिश करें। दिमाग शांत करें। इससे वॉक के साथ आप मेंटली रिलैक्स भी होंगे।

